प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर पहुंचते ही भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने महाराष्ट्रियन धुन पर ढोल बजाते हुए अपने खास अंदाज से सभी का दिल जीत लिया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 122 दिनांकः05-09-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

कोलकाता बुधवार को लोगों ने बंगाल की सड़कों पर अलग-अलग क्षेत्रों में बत्तियां बुझा कर प्रदर्शन किया। चिकित्सकों के साथ आम लोगों ने भी जोर-शोर से इस मामले में किए जा रहे आंदोलनों में हिस्सा लिया है।

हमारी सरकार बनी तो पहला काम राज्य का दर्जा वापस दिलाना

रामबन,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। जम्मू-कश्मीर के रामबन की रैली में राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा, बेरोजगारी, बिजली समस्या और देश में फैली नफरत को लेकर अपनी बात शुरु की।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार राज्य का दर्जा छीना गया है। एक राज्य को खत्म कर दिया और लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में बीजेपी और आरएसएस के लोग नफरत और हिंसा फैला रहे हैं। उनका काम नफरत फैलाना है और हमारा काम मोहब्बत फैलाने का है। वह तोड़ते हैं और हम जोड़ते हैं। नफरत को मोहब्बत से ही हराया जा सकता है। आखिर में मोहब्बत की ही जीत होती है। पहले नरेंद्र मोदी छाती फैलाकर आते थे और अब झुककर आते हैं। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार स्टेटहुड छीना गया है।

राहुल गांधी ने रैली में मौजूद जनता से कहा कि आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू-कश्मीर में राजा हैं, उनका नाम एलजी है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और चुनाव जम्मू-कश्मीर के राज्य बनने के बाद हों लेकिन बीजेपी ऐसा नहीं चाहती है वे चाहते थे कि पहले चुनाव हो जाएं और फिर राज्य के दर्जे पर बात हो। बीजेपी चाहे या न चाहे, इंडिया गठबंधन उन पर दबाव बनाएगा और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलवाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की गठबंधन सरकार यहां सत्ता में आने वाली है। हम सभी सरकारी रिक्त पदों को भरेंगे और आयु सीमा को 40 साल तक बढ़ाएंगे, हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित और स्थायी करेंगे और हम उनकी आय बढ़ाएंगे। हमारा लक्ष्य सबको साथ लेकर जम्मू-कश्मीर की सरकार चलाना होगा, सभी का सम्मान होना चाहिए, हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार केवल अडाणी और अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर में देश के बाकी हिस्सों से ज्यादा बेरोजगारी है। कभीमोदीजी समुद्र के नीचे चले जाते हैं, कभी किसी राजनेता को गले लगाते हैं लेकिन वह कभी बेरोजगारी के बारे में बातनहींकरते। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार सत्ता में आने वाली है।

उन्होंने कहा कि अब नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की जनता से डरते हैं और अब थोड़ा सा वक्त बचा है, हम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को सरकार से हटा देंगे। हम चाहते हैं कि देश में भाईचारा हो, सबकी इज्जत हो, एक-दूसरे के साथ अच्छे से बात हो। एक दूसरे के धर्म का सम्मान हो। देश में नफरत नहीं मोहब्बत का मौहाल हो। राहुल ने कहा कि घाटी इतनी खूबसूरत जगह है, मुझे चुनाव के बाद यहां आना ही पड़ेगा। आपने यहां मेरे लिए 45 मिनट का कार्यक्रम बनाया यहां कम से कम 2 से 3 दिन का कार्यक्रम तो बनना चाहिए, मुझे ऐसी जगह, इतने प्यारे लोग देखने को नहीं मिलते, कम से कम मुझे 2 से 3 दिन यहां घुमाइए। उन्होंने आगे कहा कि कुछ ही समय में देख लेना, कश्मीर में हमारी सरकार बनेगी और आपके लिए पूरे दिल से काम किया जाएगा।

रूस ने यूक्रेन पर किए मिसाइल हमले......51 लोगों की मौत

कीव (ईएमएस)। रूस ने यूक्रेन पर कई मिसाइल हमले किए। हमले में 51 लोगों की मौत हुई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह हमला यूक्रेन के मध्य भाग में स्थित एक सैन्य शिक्षण संस्थान पर हुआ था। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से यह अब तक का सबसे घातक हमला में से एक है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि उन्हें पोल्टावा में एक रूसी हमले की जानकारी मिली है। हमले में एक शैक्षिक संस्थान और एक नजदीकी अस्पताल को निशाना बनाया। हमले में दूरसंचार संस्थान की एक बिल्डिंग भी आंशिक रूप से नष्ट हो गई।

राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन को हवाई हमलों से बचाने के लिए हवाई रक्षा प्रणाली और मिसाइलों की जरूरत है। उन्हें यह जल्दी से जल्दी मिलनी चाहिए, न कि उन्हें किसी गोदाम में रखा जाए। उन्होंने कहा मुझे पोल्टावा में रूसी हमले की शुरुआती रिपोर्ट मिली है। दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने क्षेत्र पर हमला किया। पोल्टावा क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख फिलिप प्रोनिन ने मृतकों की संख्या की घोषणा की है। बताया कि बचाव दल मलबे को साफ करने और दबे हुए लोगों को खोजने में लगे हुए हैं। उनका कहना है कि मलबे के नीचे 18 और लोग हो सकते हैं। सैन्य शैक्षिक संस्थान के कम से कम 10 आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा है।

वहीं मॉस्को ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन एक प्रसिद्ध रूसी सैन्य ब्लॉगर व्लादिमीर रोज़ोव ने बताया किया कि रूस ने पोल्टावा में एक सैन्य स्कूल पर हमला किया। राष्ट्रपति ने हमले के बाद राहत कार्य में मदद करने वालों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। जेलेंस्की ने हमले के संबंध में एक पूरी और तुरंत जांच का आदेश दिया है। कहा है कि सभी जरूरी सेवाएं बचाव कार्य में शामिल हैं। उन्होंने पश्चिमी सहयोगियों से और अधिक वायु रक्षा प्रणाली और लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति की मांग की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि उन्हें पोल्टावा में एक रूसी हमले की जानकारी मिली है। हमले में एक शैक्षिक संस्थान और एक नजदीकी अस्पताल को निशाना बनाया। हमले में दूरसंचार संस्थान की एक बिल्डिंग भी आंशिक रूप से नष्ट हो गई।

बंगाल में लोगों ने 'बत्ती बुझा' कर किया प्रदर्शन; पहली बार आंदोलन से जुड़े पीड़िता के माता-पिता

कोलकाता : आंदोलन में भाजपा भी शामिल हुई। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने मंच पर लाइटें बंद कर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने डॉक्टर को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के लिए नारेबाजी भी की।

कोलकाता के अस्पताल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्याकांड का मामला लगातार गर्माता जा रहा है। चिकित्सकों के साथ आम लोगों ने भी जोर-शोर से इस मामले में किए जा रहे आंदोलनों में हिस्सा लिया है। बुधवार को लोगों ने बंगाल की सड़कों पर अलग-अलग क्षेत्रों में बत्तियां बुझा कर प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ अब प्रदर्शनों में पहली बार मृतक डॉक्टर के माता-पिता ने भी हिस्सा लिया है। मृतका के पिता ने बुधवार को कहा कि हमें इन प्रदर्शनों में हिस्सा लेना ही होगा। आखिर हम और कर भी क्या सकते हैं? चीजें बहुत धीरे-धीरे हो रही हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमारे बहुत सारे सवाल हैं और हम सब कुछ पुलिस से पूछेंगे।

इस घटना पर सैकड़ों की संख्या में आम लोगों ने सड़कों पर बत्ती बुझा कर प्रदर्शन किया। खासकर कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज से लेकर श्याम बाजार और विक्टोरिया मेमोरियल तक की बत्तियां बंद कर प्रदर्शन किया गया। रात नौ बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन के दौरान लोगों ने मोमबत्तियां और मोबाइल के फ्लैश लाइट के सहारे जुलूस निकाले।

बंगाल सरकार के खिलाफ इन प्रदर्शनों को राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी समर्थन दिया। ठीक नौ बजे राजभवन की बत्तियां भी बुझा दी गईं। राजभवन की तरफ से इससे जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की गई है, जिसमें राज्यपाल को बत्ती बुझा कर सिर्फ एक मोमबत्ती के सामने बैठे देखा जा सकता है।

दूसरी तरफ इस आंदोलन में भाजपा भी शामिल हुई। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने मंच पर लाइटें बंद कर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने डॉक्टर को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के लिए नारेबाजी भी की। प्रदर्शनों के दौरान श्याम बाजार में भीड़ ने धरना भी दिया। वहीं, भाजपा के कुछ नेताओं ने कैंडल और मशाल मार्च निकाला। पश्चिम बंगाल में आरजी कर केस का मुद्दा पूरे चरम पर है, एक तरफ जहां विपक्ष और तमाम सामाजिक संगठन राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ आज सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के छात्रों, प्रशिक्षुओं, जूनियर डॉक्टरों और डॉक्टरों ने कथित तौर पर मार्कशीट के साथ छेड़छाड़ और छात्र संगठन के नेताओं और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के कारण व्याप्त कथित धमकी के लिए प्रिंसिपल डॉ. इंद्रजीत साहा का घेराव किया। वहीं प्रदर्शन कर रहे एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र अजमद अतीक ने कहा कि कॉलेज में सत्तारूढ़ पार्टी की इकाई कुछ छात्रों को अंकों के मामले में पक्षपात करती है, एक छात्र जिसने 37 अंक प्राप्त किए थे, उसे 93 में बदल दिया गया।

राजस्थान में बारिश का कहर.......रेलवे लाइन को नुकसान, पांच डैमों के गेट खोल दिए गए

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। जोधपुर, उदयपुर में बीते दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। जोधपुर में भारी बारिश से चामुंडा नदी उफान पर है।वहीं जोधपुर-जैसलमेर रेलवे लाइन के नीचे से मिट्टी बहने के कारण ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। बुधवार सुबह से यहां दो ट्रेन कैंसिल हुई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में रोका गया है। वहीं, जोधपुर शहर में भी नदियों की तरह पानी बह रहा है।

इधर, उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी बुधवार सुबह 7 बजे लंबा जाम लग गया। जगह-जगह पानी भरने से वाहनों की कई किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। दोपहर करीब सवा 1 बजे जाम खुला।

लगातार बरसात के कारण बांसवाड़ा, डूंगरपुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर में बड़े डैम के गेट खोले गए हैं। पाली के सोजत में सुकड़ी नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ने के कारण बाइक सवार बुआ-भतीजा रपट पर बह गए। पास में श्मशान में दाह संस्कार के लिए आए लोगों ने तौलियों की रस्सी बनाकर 20 मिनट की मशक्कत के बाद दोनों को बचाया। फिलहाल, बागड़ी और सोजत रोड के बीच रास्ते को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है।

वहीं टोंक में भी भारी बरसात के कारण चाकल नदी उफान पर है। नदी की रपट पर एक युवक बाइक सहित फंस गया। युवक को करीब 11 घंटे बाद बुधवार सुबह निकाला गया। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 7 सितंबर तक राजस्थान में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जाहिर की है।

दल-बदल में अयोग्य पूर्व विधायकों की पेंशन होगी बंद-हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विधेयक पास

शिमला(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में दल-बदल के कारण अयोग्य घोषित पूर्व विधायकों की पेंशन बंद करने की तैयारी है। पेंशन के अधिकार से वंचित होने पर पूर्व विधायकों से पिछली रकम की भी वसूली होगी। दल-बदल को हतोत्साहित करने के लिए बुधवार को हिमाचल विधानसभा में विधानसभा सदस्यों के भत्ते और पेंशन विधेयक पास हुआ। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को विधानसभा में यह संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक सदन में बुधवार को चर्चा के बाद पास किया गया।

विधेयक पारित के बाद अब राज्यपाल से मंजूरी के बाद यह कानून का रूप ले लेगा। इसमें व्यवस्था की गई है कि किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी कोई व्यक्ति अधिनियम के अंतर्गत पेंशन का हकदार नहीं होगा, यदि उसे संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन किसी भी समय अयोग्य घोषित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इस उपधारा के अधीन पेंशन के अधिकार से वंचित हो जाता है तो उसकी ओर से पहले से ली गई पेंशन ऐसी रीति से वसूली जाएगी, जैसे निर्धारित किया जाएगा।

विधेयक में ये बताए कारण

विधेयक में संशोधन के कारण स्पष्ट करते हुए लिखा कि विधानसभा सदस्यों के भत्ते-पेंशन प्रदान करने के दृष्टिगत अधिनियमित किया गया था। वर्तमान में भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन विधायी सदस्यों के दलबदल को हतोत्साहित करने के लिए अधिनियम में कोई उपबंध नहीं है। इसलिए सांविधानिक उद्देश्य के लिए राज्य के लोगों की ओर से दिए जनादेश की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

देश में ऐसा पहला कानून

सियासी संकट से उबरने के बाद सरकार ने इस तरह का कानून बनाने का एक कड़ा फैसला लिया है। विस अध्यक्ष ने छह कांग्रेस विधायकों सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, देवेंद्र कुमार भुट्टो, चैतन्य शर्मा, रवि ठाकुर और इंद्रदत्त लखनपाल को प्रलोभन में आकर दल बदलने के आरोप में अयोग्य घोषित कर दिया था। सुधीर और लखनपाल तो उपचुनाव लडक़र भाजपा से विधायक बन गए, लेकिन राणा, भुट्टो, चैतन्य और रवि ठाकुर नहीं जीत पाए, जो अयोग्य घोषित पूर्व विधायकों की श्रेणी में हैं। अधिनियम राज्यपाल की मंजूरी के बाद ही कानून का रूप ले सकेगा। अयोग्य घोषित विधायकों की पेंशन बंद करने का यह देश में ऐसा पहला कानून होगा।

त्रिपुरा में शांति समझौते पर लगी मुहर

केंद्र, त्रिपुरा सरकार और दो उग्रवादी संगठनों ने किया साइन

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बुधवार को भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों ने त्रिपुरा शांति समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते के बाद एनएलएफटी ने कहा कि हमने सरकार पर भरोसा किया है। इसलिए 30 साल का सशस्त्र संघर्ष समाप्त कर रहे हैं। हमने अपनी शर्तों को साझा किया है। हमें गृहमंत्री पर भरोसा है।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर के लिए 12वां और त्रिपुरा से संबंधित तीसरा समझौता है। अब तक लगभग 10 हजार उग्रवादियों ने सरेंडर किया है। ये सभी हथियार छोड़क़र मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। आज, एलएलएफटी और एटीटीएफ के आत्मसमर्पण और समझौते के साथ लगभग 328 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे।

मलयालम फिल्म स्टार निविन पॉली के खिलाफ यौन शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगाए गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट सामने आने के बाद कई प्रमुख मलयालम अभिनेताओं तथा फिल्म के निर्माण से जुड़े लोगों के खिलाफ यौन शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। इस कड़ी में अगला नाम है, मलयालम फिल्म स्टार निविन पॉली का। एक महिला ने आरोप लगाया है कि अभिनेता ने एक फिल्म में भूमिका देने का वादा करने के बाद पिछले साल नवंबर में दुबई के एक होटल में उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, अभिनेता ने इन आरोपों से इंकार किया है। एर्नाकुलम जिले की रहने वाली महिला ने अपनी शिकायत में एक फिल्म निर्माता समेत पांच अन्य लोगों का भी नाम दर्ज करवाया है।

मामला दर्ज होने के बाद पॉली ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि उनके ऊपर लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं और वह इसके खिलाफ कानूनी रुख अख्तियार करेंगे।

बीजेपी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 67 उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लाडवा विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। पार्टी ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से प्रमुख नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। भाजपा ने सीएम नायब सिंह सैनी को चुनावी मैदान में उतारने के अलावा पंचकूला से ज्ञान चंद गुप्ता, अम्बाला कैंट से अनिल विज, जगाधरी से कंवर पाल गुर्जर, रतिया से सुनीता दुग्गल, आदमपुर से भव्य बिश्नोई और सोहना से तेजपाल तंवर को उम्मीदवार बनाया है।

महिला को मिला न्याय, सुप्रीम कोर्ट ने 30 लाख गुजारा भत्ता देने का दिया आदेश

पति के हक में बार-बार फैसला सुनाने पर पारिवारिक अदालत की आलोचना की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला के तलाक मामले में न्यायिक प्रणाली की कड़ी आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में महिला और उसके बेटे के साथ न्याय नहीं हुआ। महिला की शादी 1991 में हुई थी और एक साल बाद उसने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद पति ने उसे छोड़ दिया और तलाक के लिए पारिवारिक अदालत में अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने तीन बार पति के पक्ष में तलाक का फैसला सुनाया, जबकि पति ने महिला या उनके बेटे के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं दी।

महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसने कई बार पारिवारिक कोर्ट को फिर से विचार करने का आदेश दिया लेकिन हर बार पति को तलाक मिल गया। तीसरी बार, हाईकोर्ट ने पति को 20 लाख रुपए गुजारा भत्ता देने के साथ तलाक मंजूर कर लिया, जबकि स्थानीय अदालत ने महिला को 25 लाख रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुयान की पीठ ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि पति ने सालों तक महिला के साथ क्रूरता की और अपने बेटे के भविष्य की चिंता नहीं की। कोर्ट ने पारिवारिक अदालत के फैसलों की आलोचना भी की, जिसमें बार-बार पति के हक में फैसला सुनाया गया।

कोर्ट ने यह भी माना कि पति-पत्नी 1992 से अलग रह रहे हैं, इसलिए तलाक का फैसला शर्तों के साथ बरकरार रखा गया है। कोर्ट ने पति को 20 लाख रुपए की जगह 30 लाख रुपए का गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है। साथ ही,कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस घर में महिला, उसका बेटा और उसकी सास रहते हैं, वह उनके पास ही रहेगा और पति को उस घर में हस्तक्षेप नहीं करने दिया जाएगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर पति के पास कोई और संपत्ति है, तो बेटे का उस पर प्राथमिकता के आधार पर अधिकार होगा। अगर पति ने इन आदेशों का पालन नहीं करेगा, तो तलाक का फैसला रद्द कर दिया जाएगा। कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह तीन महीने के अंदर गुजारा भत्ता का भुगतान करें, जिसमें 3 अगस्त, 2006 से सात फीसदी वार्षिक ब्याज भी शामिल हो। अगर पति ने समय पर भुगतान नहीं किया, तो पारिवारिक अदालत कानूनी कार्रवाई करेगी।

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव से पहले बस सेवा ठप्प.......कर्मचारी हड़ताल पर

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव से पहले महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के कर्मचारियों ने वेतन और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है, इसकारण राज्य के कई हिस्सों में बस सेवाएं बाधित हो गई हैं। हड़ताल शुरू होते ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल का ऐलान गणेशोत्सव से चार दिन पहले किया गया, जिससे राज्य के कई हिस्सों में एसटी बसों का संचालन ठप हो गया है। यह त्यौहार महाराष्ट्र, विशेषकर तटीय कोंकण क्षेत्र में, सबसे बड़े पर्वों में से एक माना जाता है। एमएसआरटीसी ने पहले गणेशोत्सव के दौरान मुंबई, ठाणे और पालघर से 5,000 अतिरिक्त गणपति स्पेशल बसें चलाने की योजना बनाई थी, जो अब हड़ताल के कारण अधर में लटक गई है।

एमएसआरटीसी प्रवक्ता ने बताया कि 11 ट्रेड यूनियनों की कार्य समिति द्वारा मध्यरात्रि से शुरू की गई हड़ताल के कारण राज्यभर में 250 बस डिपो में से 35 डिपो में पूरी तरह बस सेवाएं ठप हो गई हैं। अन्य डिपो में या आंशिक रूप से संचालन हो रहा है या बिल्कुल नहीं हो रहा है। इस हड़ताल से सबसे अधिक प्रभावित वे लोग हो रहे हैं जो 10 दिवसीय गणेश उत्सव के लिए अपने पैतृक स्थान जाना चाहते थे।

गौरतलब है कि पिछले माह राज्य सरकार के साथ हुई वार्ता विफल होने के बाद एमएसआरटीसी कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता चुना है। कर्मचारियों की मुख्य मांग है कि उन्हें राज्य सरकार के कर्मचारियों के बराबर वेतन दिया जाए। प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई क्षेत्र में बस सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं, लेकिन ठाणे क्षेत्र में यह आंशिक रूप से प्रभावित हैं। ठाणे के कल्याण और विट्ठलवाड़ी में बस सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। विदर्भ क्षेत्र को छोड़कर राज्य के अन्य हिस्सों में भी बस संचालन प्रभावित हुआ है। पुणे और नासिक जिलों के कई डिपो पूरी तरह बंद हैं, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

टेक्सास में सडक़ दुर्घटना में 4 भारतीयों की मौत

टेक्सास(ईएमएस)। अमेरिका के टेक्सास में एक दुखद सडक़ दुर्घटना में चार भारतीयों की मौत हो गई है। ये लोग एक कारपूलिंग ऐप के माध्यम से जुड़े थे और शुक्रवार को अरकंसास के बेंटनविले जा रहे थे, जब पांच वाहनों की एक भीषण टक्कर में उनकी एसयूवी को पीछे से एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद एसयूवी में आग लग गई और उसमें सवार सभी लोग जलकर मारे गए। स्थानीय अधिकारी शवों की पहचान के लिए डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और हड्डियों के अवशेषों का उपयोग कर रहे हैं। लंबा सप्ताहांत होने के कारण पहचान प्रक्रिया में देरी हो रही है, जिससे पीड़ित परिवारों की चिंता और बढ़ गई है।

ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में स्टार्टअप लाने की जरूरत पर केंद्रीय मंत्री का जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने और युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया। 'ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि 11 से 13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में 120 से अधिक प्रदर्शक शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा, ''ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की आवश्यकता है।'' इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है, जिसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से अधिक दुकानें (स्टॉल) होंगी। 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता इसमें शामिल हो रहे है। यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र और इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के साझेदार फिक्की और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

अखिलेश की योगी को चुनौती......2027 में सारे बुलडोजर

लखनऊ (ईएमएस)। सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि 2027 में सपा सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रुख गोरखपुर की तरफ होगा। हार के बाद मुख्यमंत्री न खुद चैन से सो पा रहे हैं। न ही अधिकारियों को सोने दे रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि हमारे सीएम कहने को योगी हैं। लेकिन कभी-कभी बॉयोलॉजिस्ट बन जाते हैं। उन्हें डीएनए की चिंता है। मगर डीएनए का फुल फॉर्म नहीं बता सकते हैं। जो लोग बुलडोजर से डराते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री आवास का नक्शा पास है क्या? बुलडोजर दिमाग से नहीं, बल्कि स्टेयरिंग से चलता है।

दरअसल, लखनऊ में अखिलेश ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें कहा था- सरकार बनते ही सारे बुलडोजर गोरखपुर भेज दूंगा। सीएम योगी ने अखिलेश के बयान पर पलटवार किया। योगी ने कहा कि बुलडोजर पर हर आदमी का हाथ फिट नहीं हो सकता है। इसके लिए दिल और दिमाग दोनों चाहिए, जिसमें बुलडोजर जैसी क्षमता और दृढ़ प्रतिज्ञा होगी, वहीं बुलडोजर चला सकता है। दंगाइयों के सामने नाक रगड़ने वाले लोग बुलडोजर के सामने पस्त हो जाएंगे।

इसके बाद अखिलेश ने शिक्षक दिवस के एक पहले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि आज किसान, नौजवान और शिक्षक सबसे अधिक दुखी हैं। आज यूपी में कोई भी भर्ती हो, सब पर उंगली उठती है।

पुराने रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। माफिया किसे कहा जाता था। 2017 से पहले लूट थी क्या? जो अधिकारी लूट करवा रहे हैं, वे सीएम के इर्द-गिर्द हैं। लखनऊ में एक होटल में आग लगी थी, उसमें कई जान गई थी। क्या बुलडोजर की चाभी खो गई थी?

उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हम सभी 10 सीटों पर चुनाव जीत रहे है। सोचिए बाराबंकी पुलिस एक लाख रुपए में समझौता करा रही है। अपराधियों का स्वागत हो रहा है। मुख्यमंत्री को सदमा लगा है। वे दिल्ली क्यों नहीं चले जाते? आरक्षण तभी बचेगा, जब भाजपा हटेगी। जानवरों की वजह से जान जा रही है, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। हम पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि संविधान खतरे में है। अधिकार छीने जा रहे हैं। जब इतने ही नाम बदले जा रहे हैं, तब मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) भाजपा पार्टी का भी नाम बदल दें, इस भारतीय जोगी पार्टी बना दें।

बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण 30 हाई रैंकिंग अधिकारियों को किम जोंग ने फांसी दी

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण 30 हाई रैंकिंग अधिकारियों को फांसी दे दी है। विनाशकारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया, जिसमें 4000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए। दक्षिण कोरियाई मीडिया के मुताबिक उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने कहा, जिन लोगों ने अस्वीकार्य हताहतों की संख्या बढ़ाई उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पार्टी के 20-30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में मार डाला गया। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग-हून को भी इस परिस्थिति के लिए पकड़ लिया गया है। उत्तर कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक किम जोंग-उन ने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा है जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं।

जुलाई में उत्तर कोरिया में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ को देखा गया। इससे 4000 से ज्यादा घर प्रभावित हुए। 5000 लोग अलग-थलग पड़ गए। किम जोंग ने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया था। बच्चों, वृद्ध और विकलांग सैनिकों सहित 15,400 से ज्यादा लोगों को प्योंगयांग की फैसिलिटी में ठहराया गया है। किम जोंग उन ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों को फिर से बनाने में दो से तीन महीने लगेंगे। किम जोंग ने कहा कि प्रांत के कुछ हिस्सों को विशेष आपदा आपातकालीन क्षेत्र घोषित किया गया।

पुलिस भर्ती में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी भजनलाल सरकार

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले लिए गए हैं। महिलाओं को पुलिस विभाग की भर्ती में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट ने राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम 1989 में संशोधन किया है।

अब विशेष योग्यजन सरकारी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके आश्रितों में उसके करीबी रिश्तेदार भी शामिल हो सकते है। कर्मचारी के माता-पिता, भाई और बहन में से किसी को भी पेंशन मिल सकेगी। बैठक में अलग-अलग 10 एजेंडों पर चर्चा हुई। इसमें पुलिस अधीनस्थ चयन सेवा के नियमों में संशोधन करने सहित कई बड़े फैसले लिए गए हैं।

एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग को रोकने आईसीएमआर बनाएगा एल्गोरिदम

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईसीएमआर एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए एल्गोरिदम बनाएगा। एंटीबायोटिक का सेवन सामान्य बीमारियों के लिए भी किया जा रहा है। आईसीएमआर एंटीबायोटिक दवाओं के इंप्रिकल उपयोग पर दिशानिर्देशों पर काम कर रहा है।

अनुभवजन्य एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग से एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस पैदा होता है, जो भारत में एक प्रमुख स्वास्थ्य चुनौती है। आईसीएमआर ऊपरी श्वसन संक्रमण, बुखार और निमोनिया के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के अनुभवजन्य उपयोग पर देश का पहला दिशानिर्देश विकसित करने के लिए काम कर रही है। इन बीमारियों की स्थितियों में एंटीबायोटिक का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है।

सन 2019 में देश में अनुमानित 2,97,000 मौतों के लिए एएमआर को जिम्मेदार ठहराया गया। एंटीबायोटिक दवाओं का अनुभवजन्य उपयोग तब होता है जब संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनक की पहचान होने से पहले एंटीबायोटिक रोगी को दिया जाता है।

एएमआर तब होता है जब विभिन्न रोगजनक, जैसे बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी, मौजूदा दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं, जिससे लोग बीमार हो जाते हैं। बीमारियां, संक्रमण फैलने और मौतों का खतरा बढ़ जाता है।

अप्रैल 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दुनिया भर में कोविड-19 महामारी के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध उपयोग ने एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का लेवल तेजी से बढ़ा दिया है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में पाया गया कि करीब 75 प्रतिशत रोगियों का इलाज एंटीबायोटिक दवाओं से किया गया, भले ही वे असर करती हों या नहीं। हालांकि अस्पताल में भर्ती कोविड के केवल 8 प्रतिशत रोगियों को बैक्टीरियल इन्फेक्शन से लड़ने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं जरूरी थीं।

जन हितैषी

सेबी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी की कसौटी में

सेबी अर्थात भारतीय प्रतिभूति- विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन श्रीमती माधवी बुच के उपर लगे आरोपों ने, देश के वित्तीय और राजनीतिक माहौल में तूफान पैदा कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के सवालों ने सेबी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता, माधवी बुच के कामकाज को लेकर गंभीर आरोप लगाकर सेबी के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। श्रीमती बुच, सेबी में आने के पहले आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थीं। सेबी में उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवन खेड़ा का आरोप है, कि उन्होंने सेबी की पूर्णकालिक निदेशक बनने के बाद, आईसीआईसीआई बैंक से आर्थिक लाभ प्राप्त किए हैं। जो कि नियमों के खिलाफ हैं। अगर ये आरोप सही हैं तो माधवी बुच को सेबी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। वह इस्तीफा नहीं देती हैं, तो सरकार को उन्हें हटाना ही पड़ेगा। सेबी जैसी संस्था के कामकाज, निष्पक्षता और ईमानदारी को लेकर जो आरोप लगे हैं वह नियामक संस्था सेबी के लिए, एक बड़ा धब्बा साबित हो सकता है। देश के पूंजी बाजार की निगरानी और छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सेबी के कामकाज को लेकर पहली बार इतने बड़े गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जो आरोप लगे हैं, क्या इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? अब तक सरकार, या सेबी प्रमुख श्रीमती बुच की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। जिससे जनता के मन में संदेह बढ़ता जा रहा है। ज़ी न्यूज़ के प्रमुख सुभाष चन्द्रा, पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भी बड़े गंभीर आरोप माधवी बुच की कार्य प्रणाली को लेकर लगाए हैं। उन्होंने तो रिश्वत का सीधा आरोप भी लगा दिया है। ऐसी स्थिति में क्या यह संभव है, एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच शुरू हो जाएगी। सरकार ने जिस तरीके की चुप्पी साध रखी है। सेबी प्रमुख की ओर से भी कोई सफाई नहीं आ रही है। सरकार जिस तरीके से माधवी बुच का बचाव कर रही है। इतने भयंकर आरोप क्या राजनीतिक रस्साकशी में उलझकर रह जाएंगे?

सरकार और संबंधित संस्थानों पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दोषियों को दंड मिले। सेबी जैसी संस्था की साख और देश के करोड़ों निवेशकों का विश्वास बनाए रखना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक है। सेबी के कामकाज पारदर्शिता और जवाबदेही की संवैधानिकता और निष्पक्षता बनाए रखना जरूरी है। सरकार द्वारा तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बचा पाना मुश्किल हो सकता है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थानों का बहुत बड़ा निवेश शेयर बाजार में है। बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थानों, म्युचुअल फंड एवं छोटे निवेशकों के खरबों रुपयों के निवेश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष माध्यम से शेयर बाजार में निवेश हैं। जिस तरह की गड़बड़ी सामने आ रही है। यदि यह आरोप सच साबित हुए, तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भयंकर तूफान आना तय है। दुनिया के देश वैसे भी भयंकर आर्थिक मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय पर शेयर बाजार की कोई भी अस्थिरता अर्थ व्यवस्था को तहस-नहस कर सकती है। आने वाले दिनों में क्या यह सब देखने को मिलेगा? आरोपों का क्या नतीजा निकलता है। देश की जनता इसका जवाब चाहती है। हिंडनबर्ग ने जो आरोप इसके पूर्व लगाए थे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जो जांच की जा रही थी। अभी तक वह जांच पूरी नहीं हो पाई है। अब इस मामले में खुद सेबी प्रमुख माधवी बुच पर दस्तावेजी आरोप लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आरोप सही हैं या गलत, इसका खुलासा निष्पक्ष जांच के माध्यम से ही सम्भव है। यह जांच जेपीसी के बिना संभव नहीं है। सेबी को विशिष्ट संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। सेबी प्रमुख की जांच ईडी और सीबीआई भी नहीं कर सकती है। पहले भी शेयर बाजार से संबंधित घोटाले की जांच जेपीसी के माध्यम से हुई है। जल्द ही सरकार को इसकी घोषणा करनी चाहिए, अन्यथा गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

शिक्षक दिवस- 5 सितम्बर 2024 पर विशेष

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में 'एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ?ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है।

नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- ''भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।''

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना।

शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं।

वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है।

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठयक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है।

यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात् विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं। (लेखक – ललित गर्ग/ईएमएस)

ज्ञान के दीपक होते हैं शिक्षक

5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष

कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षो विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

''गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट''

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

''जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी''

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

दुनियां के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्धारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा। (लेखक – रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

करुणा और सेवा का दूसरा नाम है : मदर टेरेसा

(मदर टेरेसा : पुण्यतिथि पर विशेष)

मदर टेरेसा, जिन्हें पूरी दुनिया में करुणा, सेवा, और मानवता का प्रतीक माना जाता है, उनका जन्म 26 अगस्त 1910 को मैसेडोनिया के स्कोप्जे में हुआ था। उनका असली नाम एग्नेस गोंझा बोयाजियू था। बाल्यकाल से ही एग्नेस के हृदय में सेवा का बीज अंकुरित हो चुका था, जिसने उन्हें आगे चलकर एक ऐसा जीवन चुनने के लिए प्रेरित किया, जो पूरी तरह से जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा के लिए समर्पित था। वे एक रोमन कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण उन लोगों की भलाई में लगाया, जिनके पास न तो कोई सहारा था और न ही कोई आशा।

18 वर्ष की आयु में एग्नेस ने नन बनने का निर्णय लिया और आयरलैंड के लोरेटो नन समुदाय में शामिल हो गईं। वहां से उन्हें भारत भेजा गया, जहां उन्होंने कोलकाता के लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षक के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की। हालांकि, शिक्षण का कार्य महत्वपूर्ण था, लेकिन मदर टेरेसा नेअपने आस-पास की गहरी गरीबी और दयनीय स्थिति को देखकर कुछ बड़ाकरनेकासंकल्प लिया। उन्होंने महसूस किया कि उनका असली उद्देश्य गरीबों और असहायों की सेवा करना है।

1946 में, मदर टेरेसा को ईश्वर की पुकार मिली, जिसे उन्होंने अपने जीवन का दूसरा मोड़ माना। यह आह्वान उनके लिए एक संकेत था कि उन्हें कॉन्वेंट की सुरक्षित दीवारों से बाहर निकलकर समाज के सबसे गरीब और पीड़ित लोगों के बीच काम करना चाहिए। इस आह्वान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने 1950 में मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी नामक संस्था की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य था उन लोगों की सेवा करना जिन्हें कोई नहीं चाहता, जिनकी कोई परवाह नहीं करता, और जो समाज द्वारा छोड़े जा चुके हैं।

मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी ने गरीबों, बीमारों, अनाथों और मरते हुए लोगों की सेवा का संकल्प लिया। मदर टेरेसा ने कोलकाता में निर्मल हृदय नामक आश्रय गृह की स्थापना की, जहां मरने वालों को गरिमा के साथ देखभाल और शांति प्रदान की जाती थी। उनकी करुणा और सेवा ने उन्हें न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में एक आदर्श के रूप में स्थापित किया। उनके कार्यों ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया और समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई दिशा दी।

मदर टेरेसा के कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए, उन्होंने पूरी पुरस्कार राशि को गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में लगा दिया। उन्होंने अपने जीवन में सादगी, त्याग और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने यह दिखाया कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा करने में है, और इस विचारधारा ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है।

मदर टेरेसा का जीवन 5 सितंबर 1997 को समाप्त हुआ, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है। 2016 में, उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा संत घोषित किया गया, और अब उन्हें संत टेरेसा के नाम से जाना जाता है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि प्रेम, सेवा, और करुणा के माध्यम से दुनिया को बदला जा सकता है। उन्होंने हमें सिखाया कि एक व्यक्ति का समर्पण और करुणा अनगिनत लोगों की जिंदगी बदल सकता है।

मदर टेरेसा का जीवन न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि जीवन की सच्ची सफलता और संतोष दूसरों की सेवा करने में निहित है। उनका उदाहरण हमें यह याद दिलाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवता के प्रति हमारी सेवा और समर्पण ही हमें सच्ची शांति और संतोष प्रदान कर सकता है। उनके कार्य और उनके द्वारा दी गई शिक्षा हमें हमेशा प्रेरित करती रहेंगी, और उनकी विरासत हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेगी। (लेखक-बी. डेविड/ईएमएस)

पेरिस पैरालंपिक : भारत के शरद और थंगावेलु ने रजत और कांस्य पदक जीते

पेरिस (ईएमएस)। भारत के शरद कुमार और मरियप्पन थंगावेलु ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए रजत और कांस्य पदक जीते हैं। शरद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में ऊंची कूद टी63 के फाइनल मुकाबले में 1.88 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। यह शरद कुमार का दूसरा पैरालंपिक पदक था। उन्होंने इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक 2020 में 1.83 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था। वहीं अमेरिका के एजरा फ्रेच ने 1.94 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

इसके अलावा भारत के ही थंगावेलु ने ऊंची कूद टी63 में 1.85 मीटर की छलांग लगाते हुए तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। इसी के साथ वह लगातार तीन खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा-एथलीट बने हैं। उन्होंने इससे पहले रियो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जबकि टोक्यो में रजत पदक जीता था।

शब्द पहेली - 8119

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भादवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8118 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

दलीप ट्रॉफी आज से, ऋषभ कार हादसे के बाद पहली बार चार दिवसीय मैच खेलेंगे

बेंगलुरु (ईएमएस)। दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होगा। इसमें सभी की नजरें भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर रहेंगी। ऋषभ दिसंबर 2022 में सड़क हादसे में घायल होने के बाद इस टूर्नामेंट के जरिये पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी करेंगे।

ऋषभ ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में पहले ही सफल वापसी कर ली है पर लंबी अवधि के प्रारूप में वह पहली बार खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला शुभमन गिल की कप्तानी वाली ए टीम से होगा।

ऋषभ को सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी में समस्या नहीं हुई पर इस चार दिवसीय टूर्नामेंट से उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबे समय तक मैदान पर रहना होगा जो उनके लिए आसान नहीं रहेगाहै। उन्हें टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर बनाया गया है। इस टूर्नामेंट के आधार पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए विकेटकीपर का चयन होगा।

चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी शुरुआती श्रृंखला में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है।

चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में पदक जीतकर उत्साहित हैं भाला फेंक खिलाड़ी अजीत

पेरिस (ईएमएस)। भारत के अजीत सिंह ने पेरिस पैरालंपिक की भाला फेंक एफ46 वर्ग स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल करने के साथ ही रजत पदक जीता है। वहीं भारत के ही सुंदर सिंह गुर्जर ने तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक हासिल किया। अजीत ने 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के दौरान सुंदर सिंह गुर्जर 64.96 मीटर के अपने चौथे थ्रो के बाद दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अजीत सिंह ने वापसी करते 65.62 मीटर का थ्रो करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

मुकाबले के बाद अजीत ने कहा, 'मैं टोक्यो 2020 खेलों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था, इसलिए इस बार मैंने पदक जीतने पूरा जोर लगा दिया। रंग के पदक पर नहीं। इस एथलीट ने कहा, 'मेरा ध्यान स्वर्ण पर नहीं था, मैं बस कोई भी पदक जीतना चाहता था, इसलिए मैं बहुत खुश हूं।

साथ ही कहा, 'मैं पिछले वर्ष विश्व चैंपियन था पर इस साल कोबे में विश्व चैंपियनशिप में मुझे केवल कांस्य पदक मिला। मैं उस समय अच्छी स्थिति में नहीं था, क्योंकि मेरा ध्यान इन खेलों की तैयारी पर था। उन्होंने कहा, 'इसलिए ये रजत पदक मेरे लिए अहम है हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन यहां मैं कम से कम एक पदक जीतना चाहता था और ये सपना पूरा हुआ है।

पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक विजेता दीप्ति का बचपन में मजाक उड़ाते थे लोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस पैरालंपिक खेलों में दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए 16 वां पदक दिलाया। दीप्ति ने यह दौड़ 55.82 सेकंड में पूरी की। दीप्ति ने इससे पहले जापान के कोबे में विश्व एथलेटिक्स पैरा चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। दीप्ति का यहां तक का सफर

चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

व आंध्र प्रदेश के वारंगल जिले के कल्लेडा गांव की रहने वाली हैं। वह सूर्य ग्रहण के दौरान पैदा हुई थी और जन्म के समय उसका सिर बहुत छोटा था, साथ ही होंठ और नाक थोड़े असामान्य थे। इससे लोग उसका मजाक उड़ाते थे। इस दौरान परिवार ने उसे संभाला। आज उसे दूर देश में पैरालंपिक पदक जीतते देखना यह साबित करता है कि वह वास्तव में एक खास लड़की है। उसका जीवन दूसरों को भी प्रेरित करता है। दीप्ति जीवनजी की मां ने कहा कि अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है ये उनकी बेटी ने साबित किया है। उनके माता-पिता जीवनजी यादगिरी और जीवनजी धनलक्ष्मी ने तब के समय को याद करते हुए कहा कि उनकी बेटी को बड़े होने के दौरान ताने सहने पड़ते थे। दीप्ति बौद्धिक विकलांगता के साथ पैदा हुई थीं।

दीप्ति हमेशा शांत रहने वाली बच्ची थी और बहुत कम बोलती थी। लेकिन जब गांव के बच्चे उसे चिढ़ाते थे, तो वह घर आकर रोती थी। इसलिए मैं उसके लिए मीठे चावल या कभी-कभी चिकन बनाती थी और इसी से उसे खुशी मिलती थी। अपनी बेटी की बड़ी उपलब्धि के बाद जीवनजी के पिता यादगिरी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, भले ही यह हम सभी के लिए एक बड़ा दिन है। उसने हमेशा हमें खुशी दी है, उसका पदक जीतना हमारे लिए अहम है।

स्वीडन के खिलाफ डेविस कप में नहीं खेलेंगे नागल

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुमित नागल फिट नहीं होने के कारण स्वीडन के खिलाफ होने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले में नहीं खेलेंगे। नागल जैसे शीर्ष खिलाड़ी के हटने से भारतीय टीम की संभावनाओं को झटका लगा है। भारतीय टीम डेविस कप के इस मुकाबले में स्टॉकहोम में 14-15 सितंबर को स्वीडन से खेलेगी। ये मुकाबले इनडोर हार्ड-कोर्ट में खेले जाएंगे। नागल ने सोशल मीडिया पर कहा, 'मैं स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले में खेलने को लेकर उत्साहित था पर पीठ में खिंचाव के कारण इसमें भाग नहीं ले सकता। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे पिछले कुछ सप्ताह से पीठ में दर्द की समस्या है। इस कारण डॉक्टरों ने मुझे अगले दो सप्ताह तक आराम करने को कहा है, इससे अब मेरे पास डेविस कप के लिए अभ्यास का समय नहीं है।

उन्होंने कहा, 'मैंने इसी दर्द के कारण अमेरिकी ओपन के युगल मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया था। मैं डेविस कप मुकाबले नहीं खेल पाने को लेकर निराश हूं पर मेरे पास कोई और विकल्प नहीं है। मैं पीठ के खिंवाव को और नहीं बढ़ाना चाहता हूं। ऐसे में शरीर का ध्यान रखने के लिए मुझे इसका ख्याल रखना होगा। इससे में सत्र में आगे के मुकाबलों में बेहतर तरीके से खेल सकूंगा।

अब एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन में 8 से 17 सितंबर तक होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में अब भारतीय टीम अपना खिताब बनाये रखने उतरेगी। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भी भाग लेंगे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनकी टीम का लक्ष्य इसमें स्वर्ण जीतकर अपना खिताब बरकरार रखना है। हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक पदक से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है पर अब टीम उसी को याद करने की जगह आगे के मुकाबलों पर ध्यान दे रही है।

चैम्पियंस ट्रॉफी इसमें भारतीय टीम को 8 सितंबर को चीन से खेलना है। इसके बाद उसे नौ सितंबर को जापान से, 11 सितंबर को मलेशिया, 12 सितंबर को कोरिया और 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना करना है। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा । भारत ने अब तक ये चार बार जबकि पाकिस्तान ने तीन बार एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीती है। पिछली बार भारत ने मलेशिया को हराकर खिताब जीता था।

हरमनप्रीत ने कहा कि हरमनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक के बाद खिलाड़ियों का आराम के लिए समय मिला था जिससे अब वे तरोताजा हो गये हैं। ऐसे में अब टीम की नजरें इस ट्रॉफी पर लगी हैं। हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक के बाद ब्रेक समाप्त कर उनकी टीम एशियाई टीमों का मुकाबला करने के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा पर हॉकी काफी करीबी खेल है। हम पिछले अच्छे प्रदर्शन के भरोसे नहीं रह सकते, हमें हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।'' इस ट्रॉफी में इस बार भी भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.32 फीसदी 81.15 अंक नीचे आकर 25,198.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 202.80 अंक नीचे आकर 82,352.64 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में केवल 11 शेयर जबकि निफ्टी में 18 शेयर ही आज बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं

इंट्रा डे कारोबार के दौरान आज सेंसेक्स 82,408.54 के उच्च 81,833.69 के नियम स्तर जबकि निफ्टी 25,216 के उच्च और 25,083.80 के निचले स्तर पर रहा था। बीएसई पर आज कुल 4,047 शेयरों में कारोबार हुआ इसमें से 2,043 शेयरों में गिरावट आई जबकि, निफ्टी पर कुल 2804 में से 1,401 शेयरों में गिरावट रही। माना जा रहा है कि ये गिरावट अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग डेटा के नीचे आने के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंकाओं से आई है। इसी का विपरीत प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। अब निवेशक अमेरिकी केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का इंतजार कर रहे हैं।

सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो शेयर बाजार में आज ज्यादातर सेक्टर्स में गिरावट रही। आज सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक में आई। पीएसयू बैंक के शेयर 1.69 फीसदी नीचे आये। इसके बाद निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.75फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर में बढ़त रही। निफ्टी फार्मा में 0.74फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी में 0.41फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.74फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.08 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स 0.82 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी में एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। एशियन पेंट्स के शेयर 2.50 फीसदी की बढ़त के साथ 3,233.80 के स्तर पर बंद हुए। वहीं इंट्रा डे कारोबार में इसके शेयर 3,252 के उच्च स्तर तक पहुंच गए थे।

इसके अलावा अन्य शीर्ष शेयरों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, सनफार्मा, अपोलो हॉस्पिटल्स, डिविज लैब , हीरो मोटोकॉर्प जैसे शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं दूसरी ओर विप्रो के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। विप्रो का शेयर आज 3.06 फीसदी की गिरावट के साथ 519.65 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को, एलटीआई माइंडट्री, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, आईसीआई सीआई बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। जानकारों के अनुसार गत पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका के चलते कमजोर मैन्युफेक्चरिंग डेटा के बाद भारी बिकवाली हुई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 710 अंक या 0.86 फीसदी की भारी गिरावट के साथ ही 81,845 पर खुला। वहीं, दूसरी तरफ 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 175 अंक या 0.69 फीसदी नीचे आकर 25,104 पर खुला।

गिफ्ट निफ्टी वायदा सुबह 7:05 बजे 25,171 पर कारोबार कर रहा था, निफ्टी वायदा के पिछले बंद भाव से लगभग 200 अंक नीचे था, जिससे इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 के गिरावट के साथ कारोबार करने लगा। वॉल स्ट्रीट कल रात तेजी से गिरावट के साथ बंद हुआ क्योंकि निवेशकों की उम्मीदें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से कारोबार बढ़ने को लेकर जो उम्मीदें थी वह अब कम नजर आ रही हैं। एसएंडपी 500 वायदा 0.1 फीसदी नीचे था, जबकि नैस्डैक वायदा में 0.15 फीसदी की गिरावट आई। इससे एशिया में नकारात्मक बढ़त की स्थिति बनी। वहीं जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों के एमएससीआई के सबसे बड़े सूचकांक में शुरुआती कारोबार में 0.44 फीसदी की गिरावट रही जबकि अमेरिकी स्टॉक वायदा में गिरावट रही।

घरेलू बाजार में सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने के वायदा भाव की आज बढ़त के साथ शुरुआत हुई। वहीं चांदी के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव आज 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,150 रुपये के करीबकारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेजी से शुरुआत हुई। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबुंध आज19रुपयेकीतेजी के साथ 71,400 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,466 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,400 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,471 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 94 रुपये की गिरावट के साथ 83,158 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 103 रुपये की कमी के साथ 83,149 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 83,208 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 83,128 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,524.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,523 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 3.90 डॉलर की तेजी के साथ 2,526.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.39 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 28.34 डॉलर था।

उत्तर कोरिया का तानाशाह बाढ़ से 4000लोगों की मौत पर भडक़ा

30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

प्योंगयांग(ईएमएस)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किसी भी गलती या लापरवाही को सहन नहीं कर सकता है। इसका एक ताजा उदाहरण सामने आया है। दरअसल, हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से देश बुरी तरह हिल गया। इस बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण सुप्रीम नेता किम जोंग उन भडक़ गए और 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। हालांकि, इन लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले भी दर्ज थे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विनाश कारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया। इसमें 4,000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए थे। तानाशाह किम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान बाढ़ की भयावहता को देखकर वह क्रोधित हो गए।उन्होंने आव न देखा ताव, तुरंत उबाढ़ में लापरवाही बरतने के आरोप में 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी।

एक ही समय में सभी को दी फांसी

दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पार्टी के 20-30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में फांसी दे दीगई थी। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग-हून कोभी इस परिस्थिति के लिए गिरफ्तार कियागया।वहीं,किमजोंगउनने अधिकारियोंसेउन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा, जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं।

हजारों लोग हुए थे बेघर

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने पहले खबर दी थी कि जुलाई में चागांग प्रांत में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किम जोंग उन ने अधिकारियों को सख्त सजा देने का आदेश दिया था। इस बाढ़ में लगभग 4,000 लोगों की जान चली गई थी और 15,000 से अधिक लोग बेघर हो गए थे।

अधिकारियों की पहचान उजागर नहीं

नॉर्थ कोरिया में किन अधिकारियों को फांसी दी गई, अब तक उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ आपदा के दौरान एक आपातकालीन बैठक में किम जोंग उन ने जिन नेताओं को बर्खास्त किया था, उनमें 2019 से चागांग प्रांत की प्रांतीय पार्टी समिति के सचिव कांग बोंग-हून भी शामिल थे।

जोधपुर में भारत सहित 8 देशों की वायुसेना दिखा रही अपने जौहर

जोधपुर (ईएमएस)। भारतीय वायुसेना का सबसे बड़े अभ्यास तरंग-शक्ति की एयर एक्सरसाइज जोधपुर में हो रही है। भारत सहित 8 देशों की वायुसेना के जवान एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड एक्सरसाइज कर रहे हैं। एयर एक्सरसाइज में यूएसए के ए10 ने भारत के सुखोई 30 एमकेआई के साथ उड़ान भरी। वहीं ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स के ईए18 के साथ तेजस ने एयर एक्सरसाइज की।

हवा के साथ ही ग्राउंड लेवल पर भी एक्सरसाइज जारी है। ये एक्सरसाइज 30 अगस्त से 14 सितंबर तक चलेगी। 7 सितंबर को ओपन डे रखा गया है। एक्सरसाइज के तहत पहली बार सूर्यकिरण के 9 हॉक्स ने जोधपुर के आसमान में तिरंगा बनाया। वहीं एयर एक्सरसाइज में अमेरिकी एयरफोर्स प्रमुख भारत का तेजस विमान उड़ाएंगे।

यह एक्सरसाइज 30 अगस्त से शुरू हो चुकी थी। जोधपुर एयरबेस से भारतीय लड़ाकू विमानों के साथ अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के सहायक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरने के साथ टारगेट फिक्स किए। वायुसेना के सुखोई 30 एमकेआई के साथ अमेरिका के ए10 वॉटहॉग ने उड़ान भरी। अमेरिका का ए 10 क्लोज एयर सपोर्ट एयरक्राफ्ट है, जो जमीन पर मौजूद सेना को सहायता देने के लिए विशेष तौर पर अमेरिकी एयरफोर्स के लिए तैयार किया गया है।

एयर एक्सरसाइज में भारत के स्वदेशी तेजस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ईए 18 ग्रावलर्स ने उड़ान भरी। यह इलेक्ट्रॉनिक अटैक एयरक्राफ्ट है, जो रडार, कम्युनिकेशन सहित अन्य मिलिट्री इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को खराब कर देता है। आयोजन में सुखोई 30 एमकेआई का भी सोलो डिस्प्ले होगा। करीब 17 देश ऑब्जर्वर के रूप में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश भी अपनी वायुसेना के ऑफिसर को ऑब्जर्वर के रूप में भेजेगा। श्रीलंका एयरफोर्स के जवान सी 130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के साथ पहुंच रहे है।

पीएमआई कारोबारी गति विधि सूचकांक जुलाई के मुकाबले अगस्त में बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि अगस्त में जुलाई की तुलना में बढ़ी। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार दिखाई दिया है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 से बढ़कर अगस्त में 60.9 हो गया। यह मार्च के बाद सबसे तेज विस्तार है।

खारीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम अंक का आशय संकुचन दिखाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के लिए समग्र पीएमआई में अगस्त में मजबूत वृद्धि रही जो सेवा क्षेत्र में त्वरित व्यावसायिक गतिविधि से प्रेरित है। इसमें मार्च के बाद से सबसे तेज विस्तार हुआ। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए ठेकों खासकर घरेलू ठेकों में वृद्धि से प्रेरित रही।

सर्वेक्षण में कहा गया, ''भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में शुल्क मुद्रास्फीति की समग्र दर मध्यम रही। जुलाई में देखी गई वृद्धि की तुलना में भी यह वृद्धि धीमी रही।'' वहीं रोजगार का स्तर मजबूत बना रहा, हालांकि जुलाई की तुलना में नियुक्ति की गति मामूली धीमी रही। इस बीच, एचएसबीस इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई की तरह ही अगस्त में भी 60.7 रहा। अगस्त के सर्वेक्षण के आंकड़ों से यह भी पता चला कि भारतीय वस्तुओं तथा सेवाओं के लिए दाम जुलाई की तुलना में कम बढ़े।

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा से कहा......बिकने वाली परिसंपत्तियों की सूची सौंप दें

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सहारा इंडिया को कुल 25,000 करोड़ रुपये के भुगतान में से 10,000 करोड़ रुपये चुकाने के लिए पर्याप्त समय दिया। अदालत ने 2012 में कंपनी को 25,000 करोड़ चुकाने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा, हमें सूचना मिली है कि पूंजी बाजार नियामक के पास सेबी-सहारा फंड में अभी 15,000 करोड़ रुपये हैं। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि बाकी रकम के बारे में पूरी तरह से अस्पष्टता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बेला त्रिवेदी और एमएम सुंदरेश के पीठ ने सहारा के वकील कपिल सिब्बल से पूछा, 10 साल ज्यादा बीत चुके हैं और आपने अभी तक रकम जमा नहीं की है। सेबी बाकी 10,000 करोड़ रुपये मांग रहा है। आप बाकी 10,000 करोड़ रुपये कैसे देने वाले है।

सहारा के वकील सिब्बल ने कहा, कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचने के लिए उचित मौका नहीं मिला क्योंकि कोई भी उसकी संपत्तियों पर हाथ डालना नहीं चाहता। इस पर अदालत ने कहा कि आपको पर्याप्त मौके दिए गए। न्यायमूर्ति खन्ना ने स्पष्ट किया कि परिसंपत्तियों की बिक्री पर कोई रोक नहीं है। अदालत ने सहारा को निर्देश दिया कि वह 10,000 करोड़ रुपये चुकाने के लिए जिन परिसंपत्तियों को बेच सकती है उसकी सूची 5 सितंबर तक तैयार करे।

सैम पित्रोदा ने राहुल को बताया राजीव गांधी से अच्छा विचारक, कहा

वे अच्छी स्ट्रैटजी बनाते हैं, उनमें प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी से अच्छा रणनीतिकार और विचारक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता भारत के विचार के संरक्षक हैं। राहुल गांधी में भविष्य के प्रधानमंत्री के सभी गुण हैं। पित्रोदा ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भाजपा की ओर से किए गए हमले को फर्जी करार दिया। पित्रोदा ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि वह आधिकारिक क्षमता के तहत अमेरिका नहीं आ रहे हैं। बल्कि उनको व्यक्तिगत स्तर पर कैपिटल हिल में कुछ लोगों से बातचीत करनी है। वह थिंक टैंक के लोगों से मिलेंगे और जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में भी बातचीत करेंगे।

पित्रोदा ने कहा कि उन्होंने राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर और एचडी देवेगौड़ा जैसे कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राहुल और राजीव के बीच अंतर यह है कि राहुल कहीं अधिक बौद्धिक, विचारक हैं और राजीव थोड़ा अधिक काम करने वाले थे। उनका डीएनए एक जैसा है, उनकी चिंताएं एक जैसी हैं। वह वास्तव में बेहतर भारत बनाने में विश्वास रखते हैं। उनकी कोई बड़ी व्यक्तिगत ज़रूरतें भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राहुल राजीव गांधी से कहीं अधिक रणनीतिकार हैं। वे अलग-अलग समय, अलग-अलग उपकरण, अलग-अलग अनुभव रखते हैं। उनको अपने जीवन में दो बड़े दर्द झेलने पड़े थे। पहला अपनी दादी की मौत का और दूसरा पिता की मौत का।

पित्रोदा ने कहा कि सामूहिक रूप से उस भारत का निर्माण करना हमारा काम है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। राहुल गांधी की छवि आखिरकार वैसी ही बन रही है जैसे वह हैं। भारत जोड़ों यात्रा ने इसमें मदद की है।

उन्होंने कहा कि पहले मीडिया में बनाई गई छवि एक व्यक्ति के खिलाफ सुनियोजित अभियान पर आधारित थी। जहां उनको बदनाम करने के लिए लाखों-करोड़ों डॉलर खर्च किए गए थे। वह उच्च शिक्षित थे तो लोगों ने कहा कि वह कभी कॉलेज नहीं गया। पित्रोदा ने कहा कि बहुत सारा पैसा खर्च करके उनकी झूठी छवि बनाई गई थी। मैं राहुल गांधी को बहुत श्रेय देता हूं कि वे लंबे समय तक इससे लड़ते रहे और जीवित रहे, कोई और होता तो नहीं बच पाता।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने कहा कि आप हर समय सभी लोगों से झूठ नहीं बोल सकते। लोग अब यह देखने लगे हैं कि कहा गया था कि हम 20 मिलियन नौकरियां पैदा करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किय। कहा गया था कि काला धन वापस लाया जाएगा, यह भी नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल पीएम बनने में बहुत सक्षम हैं। वह एक सभ्य इंसान हैं। शिक्षित हैं। उनमें भावी प्रधानमंत्री के सारे गुण हैं। लोकसभा चुनाव नतीजों को लेकर पित्रोदा ने कहा कि पिछले चुनाव में डर था कि बीजेपी को 400 सीटें मिलेंगी। यह पूर्ण बहुमत होता तो कई लोगों के फैसले पर असर डाल सकता था। पित्रोदा ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि वह आधिकारिक क्षमता के तहत अमेरिका नहीं आ रहे हैं।

झमाझम बारिश के बाद अब कड़ाके की सर्दी भी पड़ने के आसार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में इस साल हो रही झमाझम बारिश के बाद अब कड़ाके की सर्दी भी पड़ने के आसार है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सितंबर में ला नीना की शुरुआत हो चुकी है, जिससे ठंड के सारे रिकॉर्ड टूट सकते हैं. आमतौर पर मानसून के अंत में होने वाला ला नीना तापमान में तेज गिरावट लाने के लिए जाना जाता है. यह अक्सर ही बारिश में वृद्धि के साथ जुड़ा होता है, जिससे आगे बेहद कड़ाके की सर्दी की संभावना बढ़ जाती है.

ला नीना और एल नीनो दोनों ही महत्वपूर्ण वायुमंडलीय घटनाएं हैं, जो आम तौर पर अप्रैल और जून के बीच शुरू होती हैं और फिर अक्टूबर से फ़रवरी के बीच मज़बूत होती हैं. ये आम तौर पर 9 से 12 महीनों तक चलती हैं, जो कभी-कभी दो साल तक भी बनी रह सकती हैं.

सामान्य परिस्थितियों में, ट्रेड विंड भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, जो दक्षिण अमेरिका से गर्म पानी को एशिया की ओर धकेलती हैं. इस प्रक्रिया में समुद्र की गहराई से ठंडे पानी को ऊपर उठने और जलवायु संतुलन बनाए रखने की अनुमति देती है.

हालांकि, ला नीना की शुरुआत इस संतुलन को बिगाड़ देती है, जिससे वैश्विक जलवायु प्रभावों का एक सिलसिला शुरू हो जाता है. एल नीनो जहां प्रशांत क्षेत्र में गर्म हवा और महासागर के तापमान से जुड़ा हुआ है, जिससे तपाने वाली गर्मी पड़ती है, जबकि ला नीना समुद्र की सतह और उसके ऊपर के वायुमंडल दोनों को ठंडा करके उलटा प्रभाव पैदा करता है.

ला नीना के एक्टिव होने से बेहद कड़ाके की सर्दी पड़ने लगती है और ऐसे में इस साल मौसम विज्ञानी ऐसी ही संभावना जता है.

बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर : इरडा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीमा पॉलिसियों की गलत तरीके से बिक्री खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही है। बीमा नियामक आईआरडीएआई के सदस्य (वितरण) के मुताबिक, जीवन बीमा से जुड़ी शिकायतें अक्सर उत्पादों से जुड़ी होती हैं मगर गैर जीवन बीमा की शिकायतें आमतौर पर दावों के भुगतान से संबंधित होती हैं।

एक कार्यक्रम में अधिकारी ने कहा, 'जीवन बीमा में शिकायत उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री के लिए है और मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। आईआरडीएआई की वित्त वर्ष 2023 की सालाना रिपोर्ट में बीमा भरोसा पोर्टल पर आई शिकायतों के बारे में दिए ब्यौरे के मुताबिक जीवन बीमा कंपनियों के पास कुल 1,24,293 शिकायतें आई थीं, इसमें से अनुचित व्यापार दस्तूर से जुड़ी शिकायतों की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। वहीं गैर जीवन बीमाकर्ताओं को 78,347 शिकायतें मिलीं, इसमें दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतों की तादाद 66 फीसदी थी।

जीवन बीमा क्षेत्र के मुकाबले दावा भुगतान से जुड़ी शिकायतें गैर जीवन बीमा क्षेत्र के लिए अधिक हैं। इनमें दावों को खारिज करने से लेकर कम दावा राशि का भुगतान शामिल है। अधिकतर शिकायतें स्वास्थ्य बीमा से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा के लिए कैशलेस सुविधाएं तैयार करने में स्वास्थ्य मंत्रालय, बीमा नियामक और अन्य हितधारकों के प्रयासों से यह सुनिश्चित होने की संभावना है कि आबादी का बड़ा हिस्सा जल्द ही स्वास्थ्य बीमा के दायरे में आ जाए।

मिस्त्र ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दावों को किया खारिज....ध्यान भटकाने की कोशिश

काहिरा (ईएमएस)। मिस्त्र ने इजरायल के उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसके क्षेत्रों का इस्तेमाल गाजा पट्टी में हथियारों की तस्करी में होता था। मिस्त्र के विदेश मंत्रालय ने कहा, मिस्त्र इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयानों को पूरी तरह से खारिज करता है, इस बयान के द्वारा उन्होंने इजरायली जनता का ध्यान भटकाने के लिए संघर्ष में मिस्त्र का नाम घसीटने की कोशिश की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने कहा कि मिस्त्र क्षेत्र में शांति प्रक्रिया का नेतृत्व करने में अपनी भूमिका निभाना जारी रखेगा। मंत्रालय ने कहा कि जॉर्डन इजरायल के दावे का सामना करने में मिस्त्र के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस मामले में मिस्त्र की स्थिति का समर्थन करता है। इजरायली अधिकारियों के सभी दावे गाजा और वेस्ट बैंक पर इजरायली आक्रामकता को सही ठहराने के बेकार प्रयास थे, जिसने क्षेत्र में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ा दिया है।

दरअसल नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सेनाएं फिलाडेल्फी कॉरिडोर से पीछे नहीं हटने वाली हैं। उन्होंने मिस्त्र से गाजा तक भविष्य में हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए को कॉरिडोर नियंत्रण में रखना महत्वपूर्ण है। इजरायली सेना ने मई में मिस्त्र-गाजा सीमा पर 100 मीटर चौड़े और 14 किलोमीटर लंबे बफर जोन वाले कॉरिडोर और राफा क्रॉसिंग के फिलिस्तीनी हिस्से पर नियंत्रण कर लिया, जिससे ट्रकों का प्रवेश मिस्त्र से गाजा तक निलंबित हो गया।

भारत में कार्यस्थल पर 58 फीसदी लोग करते हैं थका-थका महसूस

रिपोर्ट में खुलासाः बातचीत और लगातार सहयोग से होती है थकान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। फिक्की-बीसीजी रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि कम से कम 58 फीसदी भारतीय लोग सुस्ती और कार्यस्थल पर थकान महसूस करते हैं, जो वैश्विक औसत 48 फीसदी के मुकाबले काफी ज्यादा है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की साझा रिपोर्ट 'इंडिया एचआर रिवोल्यूशनः बिल्डिंग वर्कप्लेस फॉर द फ्यूचर' में कहा गया है कि भारतीय लोगों में थकावट ज्यादा काम करने से नहीं बल्कि लगातार सहयोग और बातचीत की बढ़ती जरूरत के कारण होती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते सहयोगात्मक पदचिह्नने तनाव के स्तर को बढ़ाने में मदद की है क्योंकि इसमें किसी भी काम को पूरा करनेके लिए ज्यादा और बार-बार बातचीतकी जरूरत होती है। इसमें कई छोटी, नियमित बातचीत भी शामिल हैं, जिन्हें सूक्ष्म तनाव के तौर पर परिभाषित किया गया है और ये कर्मचारियों को महत्त्वपूर्ण तौर पर प्रभावित करते हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि थकावट और समावेशन के लिए निरुत्साहित रहने के बीच गहरा संबंध है। अगर किसी कर्मचारी को ऐसा लगता है कि वह अपने कार्यस्थल पर ज्यादा सक्रिय है और कंपनी या संस्था भी उसकी मदद के लिए तत्पर है तो उसे कम थकावट महसूस होती है। समावेशन सिर्फ भर्ती से काफी आगे तक होना चाहिए और इसमें कर्मचारियों की बातों को लगातार सुनना और उनकी समस्याओं को हल करना शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों के प्रति गहरी समझ हासिल करनी चाहिए जिस तरह वे अपने ग्राहकों को समझते हैं, ताकि उन्हें भी खुश, प्रेरित और अपने साथ बनाए रखा जा सके। संस्था या संगठन को यह मूल्यांकन करना चाहिए कि वे इन भावनाओं पर कितना खरा उतरते हैं, कमी का पता लगाना चाहिए और सभी कर्मचारियों की मदद के लिए उनके बच्चों की देखभाल वाली सेवाओं, वित्तीय परामर्श और लचीली काम की अवधि जैसी सुविधाएं प्रदान करना चाहिए।

रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि संस्था या संगठन अब अपनी मानव संसाधन (एचआर) प्रक्रियाओं में भी जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन-एआई) को लागू करना चाहते हैं। करीब 45 फीसदी भारतीय कंपनियां अपनी मानव संसाधन प्रक्रियाओं में जेनरेटिव एआई को लागू कर चुकी हैं या संचालित कर रही हैं। जेन एआई के साथ करीब 93 फीसदी कंपनियों ने बेहतर दक्षता और उत्पादकता दर्शाई है।

बंधकों को नहीं बचा पाती आईडीएफः हमास

वॉशिंगटन (ईएमएस)। हमास का कहना है कि अगर इजरायल डिफेंस फोर्स चाहती भी तो भी छह बंधकों नहीं बचा पाती। हमास के प्रवक्ता अबू उबैदा ने कहा, ''हम सभी को साफ कर देना चाहते हैं कि नुसेरात में हुई घटना के बाद, कैदियों की सुरक्षा के लिए मुजाहिदीन को नए निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों में बताया गया है कि अगर कब्जे वाली सेना उस स्थान पर पहुंचती है जहां कैदियों को रखा गया है, तो स्थिति को कैसे संभालना है।''

बता दें कि गाजा की धरती पर हमास ने बीते 11 महीने से बंधक छह इजरायलियों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद अमेरिका की तरफ से भी इस घटना को लेकर नेतन्याहू प्रशासन से नाराजगी जाहिर की गई। अमेरिका का कहना है कि इन बेकसूर लोगों की जान को बचाया जा सकता था। इस मामले में अब हमास की तरफ से भी बयान जारी किया गया है।

आईडीएफ ने दावा किया कि सुरक्षाबलों के लोगों तक पहुंचने से थोड़ी देर पहले ही उनकी क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। उबैदा ने छह बंधकों की मौत के लिए इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को दोषी ठहराते हुए कहा कि वो बातचीत के बजाय सैन्य अभियान चलाने पर विश्वास रखते हैं।'' उबैदा ने कहा, ''नेतन्याहू द्वारा बताचीत करने के बजाय सैन्य एक्शन के माध्यम से कैदियों को मुक्त करने का आग्रह करने का मतलब है कि बंधकों को कफन में उनके परिवारों को लौटा दिया जाएगा। उनके परिवारों को यह चुनना होगा कि वे उन्हें मृत चाहते हैं या जिंदा।''

हमास के कब्जे में छह लोगों की मौत के बाद इजरायल में नेतन्याहू के खिलाफ काफी विरोध प्रदर्शन हुए। बंधकों के परिवार वालों की तरफ से कहा गया, ''बंधकों की वापसी के लिए एक समझौते पर दो महीने से अधिक समय से बातचीत चल रही है। अगर इस सौदे को फेम नहीं किया जाता तो आज सुबह जिन बंधकों की मौत के बारे में हमें पता चला, वे जिंदा होते।'' इस मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने भी नेतन्याहू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे युद्धविराम और बंधक समझौते को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं।

यूक्रेन वॉर जोन में 10 हजार किलोमीटर की यात्रा.....फोटोग्राफर की तस्वीरें कर देंगी भावुक

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन युद्ध की विभीषिका के बीच मानवीय संवेदनाओं से भरी ऐसी असंख्य कहानियां हैं, जो एक ओर दर्द और पीड़ा की कहानी दिखाती हैं। वहीं प्रेम, करुणा और वात्सल्य की भावनाओं को भी बखूबी उजागर करती हैं। जब यूक्रेन पर रूस का कहर जारी है। तब बायरन स्मिथ नाम के इंटरनेशनल फोटोग्राफर ने यूक्रेन के वॉर जोन में 10 हजार किलोमीटर की यात्रा की। उन्होंने अपने कैमरे के जरिए यूक्रेन के लोगों की स्थिति और उनकी मनोदशा को बखूबी दिखाने की कोशिश की। उन्होंने युद्ध के बीच यूक्रेन का दौरा कर उन दृश्यों को सहेजने की कोशिश की, जिनके वे गवाह बने। ये महज तस्वीरें नहीं बल्कि युद्ध की त्रासदी झेल रहे लोगों का दस्तावेजीकरण है। उन्होंने देखा कि किस तरह 2022 में शुरुआती हमलों के बीच इरपिन शहर से छोटी-छोटी टैक्सियों से रवाना होने के लिए लोगों में होड़ मची। इस बीच उनकी खींची तस्वीरों को जानवरों के प्रति इंसानी प्रेम के प्रतीक के तौर पर देखा जा सकता है क्योंकि सामानों से लदी पड़ी टैक्सी में बैठने तक की जगह नहीं है, लेकिन लोग अपने पालतू कुत्तों को गोद में लिए बैठे हैं ताकि खुद के साथ-साथ उन्हें भी सुरक्षित रख सकें।

एक तस्वीर शोरगुल के बीच रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार करते लोगों की है। यह ट्रेन यूक्रेन से पोलैंड की तरफ जानी है। ठसाठस भरी ट्रेनों में अपनों को विदा करते लोगों की तस्वीरें दिल को झकझोर देने वाली है। सड़कों पर नवजात बच्चों के साथ हाथ में सामान लेकर जाती हुई महिलाओं की तस्वीरें भावुक कर देती है। फोटोग्राफर कहते हैं कि जब आप इतनी बड़ी तादाद में लोगों को पलायन करते हुए देखते हैं। लेकिन सिर्फ देखकर हमदर्दी जताते हैं, उनके पास जाकर यह पता नहीं लगाते कि वे क्यों पलायन कर रहे हैं। यह फेक लगता है।

वाहनों की स्क्रैपिंग और नए वाहन खरीदी पर छूट ग्राहकों को पसंद नहीं

विशेषज्ञों ने कहा- प्रोत्साहन 10 फीसदी बढ़ाने से आएगा सार्थक बदलाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए वाहन विनिर्माताओं द्वारा दी गई छूट ग्राहकों को लुभाने के लिए काफी नहीं है। वाहन क्षेत्र के विशेषज्ञों का तर्क है कि उपभोक्ताओं को अपने मौजूदा वाहन चलाते रहने या उन्हें किसी को बेचने से ज्यादा दाम मिल सकता है, जिससे स्क्रैपिंग का विकल्प कम आकर्षक बन जाएगा। वाणिज्यिक और यात्री वाहन विनिर्माताओं ने हाल ही में नए वाहन खरीदने पर एक्स-शोरूम कीमत पर 1.5 फीसदी से 3.5 फीसदी तक की छूट देना शुरू किया है। अगर ग्राहक पुराने वाहन को स्क्रैप करते हैं, तो उन्हें यह छूट मिलेगी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रोत्साहन को करीब 10 फीसदी तक बढ़ाने से व्यावहारिक रूप में ज्यादा सार्थक बदलाव आएगा।

एसएंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के निदेशक ने कहा कि मौजूदा प्रोत्साहन उपभोक्ताओं को अपनी कारों को बेचने या उनका इस्तेमाल जारी रखने के बजाय स्क्रैपिंग का विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बहुत से लोग अपने पुराने वाहनों को मुख्य रूप से इसलिए रखते हैं क्योंकि उनके पास नई खरीदारी के लिए पैसा कम होता है।

उन्होंने कहा कि अगर इस प्रोत्साहन को 10 फीसदी तक बढ़ा दिया जाए, जैसा कि चीन में देखा गया है, तो यह उपभोक्ता व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। मारुति सुजूकी, टाटा मोटर्स और हुण्डैय मोटर समेत देश की प्रमुख कार विनिर्माताओं को छूट के साथ बेचे गए वाहनों की कुल संख्या के बारे में भेजे गए सवाल के संबंध में खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं मिला है। एक अगस्त, 2022 से 45 हजार से कम निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है, जो इस कार्यक्रम की धीमी रफ्तार को दर्शाता है।

स्टारलाइनर पर आवाजें ऑडियो कॉन्फिगरेशन समस्याः नासा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। एयरक्राफ्ट बोइंग स्टारलाइनर से आ रही रहस्यमयी आवाजों को लेकर नासा ने अपनी बात रखी है। नासा ने कहा है कि ये असामान्य सी आवाजें ऑडियो कॉन्फिगरेशन समस्या का नतीजा थीं। एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स जिस एयरक्राफ्ट बोइंग स्टारलाइनर पर हैं, उसमें से अजीब सी आवाजें आ रही हैं।

एयरक्राफ्ट से आ रहीं आवाजें गहरी सांसों जैसी लग रही थीं और कयास थे कि क्या इस एयरक्राफ्ट पर तीसरा कोई है? जानकारी के मुताबिक, नासा एजेंसी ने इस बात पर जोर देकर कहा कि ये घटना कोई असामान्य घटना नहीं है। नासा ने आश्वासन दिया कि विल्मोर ने जो आवाजें रिपोर्ट की थीं, वेएकदम खतरनाक किस्म की नहीं हैं। 8 दिन के मिशन पर गए सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जो कई महीनों से वहां फंसे हैं, ने स्टेशन से डॉक किए गए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से रहस्यमयी सी और भूतिया सी लगने वाली आवाजें सुनने की सूचना दी है। ये आवाजें आप भी नीचे दी गई वीडियो में सुन सकते हैं। सुनीता और बुच के अलावा नासा के इंजीनियरों को भी इनसे हैरानी हुई लेकिन बाद में पता लगा लिया गया कि ये हैं क्या।

इन आवाजों को सबसे पहले विल्मोर ने महसूस किया। ह्यूस्टन में नासा के मिशन कंट्रोल के साथ एक रिकॉर्ड की गई बातचीत के दौरान विल्मोर ने स्टारलाइनर के इंटरनल स्पीकर पर एक माइक्रोफोन रखा जिससे ग्राउंड कंट्रोल को भी ये आवाजें सुनाई दीं। नासा के हालिया बयान से मिली सूचना के पूर्व कुछ पता नहीं चल रहा था कि ये हैं क्या।

बता दें कि सुनीता और बुच की वापसी को लेकर नासा ने जो फैसला लिया है उसके मुताबिक स्टारलाइनर 6 सितंबर 2024 को बिना चालक दल के पृथ्वी पर वापस आएगा, जबकि विलियम्स और विल्मोर फरवरी 2025 तक आईएसएस पर रहेंगे। वे दोनों स्पेसएक्स क्रू ड्रैगो के जरिए वापसी करेंगे।

दुनिया के वैज्ञानिक चिंतित......क्या लगातार फैलता जा रहा नरक का द्वार

टयूमेन,(ईएमएस)। साइबेरिया में एक गड्ढा है जो लगातार बढ़ रहा है। इसका आकार किसी स्टिंग रे, हॉर्सशू क्रैब या विशालकाय टैडपोल जैसा दिख रहा है। पहले यह बेहद छोटा था, जब 1960 में इसकी पहली बार सैटेलाइट से फोटो ली गई थी। अब यह विशालकाय हो चुका है। लगातार फैलता जा रहा है। मिट्टी धंसती जा रही है। अब इस क्रेटर के अंदर पहाड़ियां और घाटियां बनती जा रही हैं। ये सारा बदलाव सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिख रहा है। इसका नाम है द बाटागे क्रेटर है। वैज्ञानिक हैरान इससे हैं कि यह गड्ढा लगातार बढ़ क्यों रहा है?

रिपोर्ट के मुताबिक यह गड्ढा और इसमें बना छेद 1991 की तुलना में 2018 तक ही तीन गुना बढ़ चुका है। बाटागे क्रेटर को लोग बाटागाइका भी बुलाते हैं।

इसका मतलब होता है नरक का द्वार। आर्कटिक का इलाका बहुत तेजी से गर्म हो रहा है। जिसकी वजह से वहां पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। यह मिट्टी और बर्फ की मोटी परत है, जो हमेशा से जमी हुई थी। लेकिन अब नहीं। बाटागे क्रेटर असल में गड्ढा नहीं है बल्कि यह पर्माफ्रॉस्ट का एक हिस्सा है, जो तेजी से पिघल रहा है। इस रेट्रोग्रेसिव थॉ स्लंप कहते हैं।

ऐसी जगह पर तेजी से भूस्खलन होता है। तीखी घाटियां बन जाती हैं। इसके अलावा गड्ढे बनते हैं। आर्कटिक सर्किल में इसतरह के थॉ स्लंप बहुत ज्यादा है। लेकिन बेटागे मेगास्लंप का खिताब जीत चुका है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के रोजर मिचेल्डिस कहते हैं कि पर्माफ्रॉस्ट फोटोजेनिक जगह नहीं होती।

रोजर कहते हैं कि यह एक जमी हुई धूल वाली जगह है। गीली मिट्टी और बर्फ का भयानक जमावड़ा है। जो गर्मी से पिघलता है, तब बाटागे क्रेटर की तरह स्लंप बनाता है। यह गड्ढा ऐसा है कि यहां स्टडी करने से हमारी पृथ्वी का भविष्य पता चल सकता है। क्योंकि पर्माफ्रॉस्ट में मरे पौधे, जानवर होते हैं। ये सदियों से जमे हुए होते हैं।

इसकारण पर्माफ्रॉस्ट में कार्बन डाईऑक्साइड और मीथेन जैसी गैस जमा रहती है। वायुमंडल में निकलती भी रहती है। यहां पर गर्मी सोखने वाली गैस रहती हैं। जिसकी वजह से ग्लोबल वॉर्मिंग भी बढ़ती है।

भाजपा विधायक कौशिक वेकारिया अवैध रूप से जीएस सी आई आई एफ सी एल निदेशक बने; कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग

गांधीनगर,4 सितंबर

कांग्रेस ने अमरेली विधानसभा सीट से विधायक और गुजरात विधानसभा के डिप्टी चीफ कांस्टेबल कौशिक वेकारिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है. कांग्रेस ने कौशिक वेकारिया पर नियमों का उल्लंघन कर अवैध तरीके से गुजरात राज्य सहकारी आवास वित्त निगम लिमिटेड (जीएससीआईआई एफ सीएल) का निदेशक बनने का आरोप लगाया है।

विधायक और कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने इस मामले में रजिस्ट्रार को-ऑपरेटिव सोसायटी को पत्र लिखकर कहा है कि कोई भी व्यक्ति किसी हाउसिंग सोसायटी का सदस्य तभी बन सकता है, जब उसका खुद वहां मकान हो और वह उसके उद्देश्यों के अनुरूप काम कर रहा हो, लेकिन मामला अमरेली स्थित बातरवाड़ी की मंगल सोसायटी के कौशिकभाई वेकारिया का है, जी हां, यह 14 घरों वाली एक पुरानी सोसायटी है और वह खुद 250 रुपए देकर इसके सदस्य के तौर पर चुनाव लड़ने आए हैं। वास्तव में, वह वहां का सदस्य नहीं है, जैसे कि उसने साहित्य रचा हो

आगे उन्होंने कहा है कि विधायक जैसे पदपरबैठेव्यक्ति पर ऐसा अपराध करने पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता. यह भी हो सकता है कि उन्होंने अपने पदसेइस्तकर ऐसी हरकत की हो. इसी को ध्यान में रखते हुए यह सर्कुलर काफी समय से लागू है. सर्कुलरकेखिलाफ कानूनी कार्रवाई करना जरूरी है और अगर ऐसा किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति ने किया है.

इस संबंध में उन्होंने कहा कि घर, सोसायटी के ऑडिट में यदि पंजीकृत दस्तावेज से संपत्ति का नाम बदलने के मामलों पर विचार किया जाता है तो क्या पूरी राशि का उपयोग ऐसे लेखों सहित विवरण के स्टांप शुल्क में किया गया है ? क्या सरकारी रजिस्ट्रि विभाग, गांधीनगर द्वारा नियुक्त सतर्कता दल ने ऐसी कोई जांच की है? यदि यह अवैध नहीं है बल्कि मानसिक गतिविधि के साथ आपराधिक गतिविधि है, यदि यह एक आपराधिक अपराध है, तो राज्य रजिस्ट्रार ने ऐसे अपराधों को पंजीकृत करने और सहकारी हित को ध्यान में रखते हुए तत्काल उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

गणेश पंडाल बनाते वक्त करंट लगने से एक युवक की मौत

वडोदरा (ईएमएस) गुजरात समेत देशभर में गणेश महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं गणेश महोत्सव शुरू होने से पहले वडोदरा से एक दुखद खबर सामने आई है गणेश पंडाल बनाते वक्त बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई यह घटना वडोदरा जिले की पादरा तहसील के डबका की है डबका में आगामी गणेश महोत्सव को लेकर गणेश जी के पंडाल का काम रात में युवकों द्वारा किया जा रहा था। उस वक्त 11 केवी की भारी विद्युत लाइन छूने से पंडाल के बीम में करंट आ गया। जिसकी चपेट में वहां काम कर रहे करीब 15 युवक आ गये इस घटना में एक युवक अधिक प्रभावित हुआ और वहीं ढेर हो गया करंट से बुरी तरह घायल युवक को इलाज के लिए तुरंत रेफरल अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने बिजली की चपेट में आए सचिन उर्फ बकाभाई को मृत घोषित कर दिया इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में शोक व्याप्त है

गुजरात के 45 बांधों में हाई अलर्ट, 206 में से 105 जलाशयों में 100% जल भंडारण, सरदार सरोवर बांध 86% भरा

वडोदरा,4 सितंबर

गुजरात में बांधों की जल संग्रहण स्थितिः गुजरात में मेघराजा के सार्वभौमिक मेहर के बाद राज्य के 55 प्रतिशत से अधिक यानी 206 जलाशयों में से 115 जलाशय पूरी तरह से 100 प्रतिशत भर चुके हैं। जबकि 45 जलाशय 70 से 100 फीसदी तक भर जाने के कारण हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। इसके अलावा राज्य के 17 बांधों में 50 फीसदी से 70 फीसदी तक भरे होने पर अलर्ट किया गया है। इसके अलावा 20 बांधों में 25 से 50 फीसदी और 9 बांधों में 25 फीसदी से कम पानी जमा हुआ है।

गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर बांध की भंडारण क्षमता 2,88,248 एमसीएफटी है, यानी कुल भंडारण क्षमता का 86 प्रतिशत से अधिक। जबकि राज्य के अन्य 206 जलाशयों में 4,40,773 एमसीएफटी। यानी कुल भंडारण क्षमता का 79 फीसदी से ज्यादा रिकॉर्ड किया जा चुका है। इस प्रकार राज्य के कुल 207 जलाशयों में से 81 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहित हो चुका है।

आज सुबह 8 बजे तक सरदार सरोवर बांध में 2.35 लाख क्यूसेक आय के मुकाबले 2.45 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जो बारिश के कारण राज्य में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही अन्य बांधों से आज सुबह 8:00 बजे तक पानी की आवक एवं निकासी इस प्रकार दर्ज की गई है।

इसके अलावा मध्य गुजरात के 17 जलाशयों में 92 प्रतिशत, कच्छ के 20 जलाशयों में 87 प्रतिशत, सौराष्ट्र के 141 जलाशयों में 85 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 78 प्रतिशत और उत्तर गुजरात के 15 जलाशयों में 52 प्रतिशत से अधिक पानी बह चुका है। रिकार्ड किया गया. इस प्रकार, सरदार सरोवर सहित 207 जलाशयों में 81 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहित हो चुका है। पिछले वर्ष इसी समय 207जलाशयों में 76 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहण दर्ज किया गया था।

14जिलों के 1.69लाख से अधिक लोगों को 8.04 करोड़ रुपए के कैशडोल्स का भुगतान किया गया

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जिला कलेक्टरों को हाल ही में हुई भारी वर्षा से अति प्रभावित जिलों में जनजीवन को तेजी से बहाल करने और प्रभावित जरूरतमंद परिवारों को शीघ्रताशीघ्र कैशडोल्स तथा घरेलू सामान की सहायता प्रदान करने के दिशानिर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर संबंधित जिला प्रशासन द्वारा प्रभावितों का सर्वेक्षण कर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों को कैशडोल्स और घरेलू सामान सहायता के नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया जारी है। जिसके अनुसार, बारिश से प्रभावित जरूरतमंद व्यक्ति या परिवारों, जिनकी रोजी-रोटी प्रभावित हुई है तथा घरेलू सामान बह जाने या नष्ट होने से नुकसान हुआ है, को राज्य सरकार द्वारा सहायता का भुगतान किया जाता है।

स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर में मीडिया से बात करते हुए राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने बताया कि राज्य के वडोदरा, सूरत, राजकोट, आणंद, कच्छ, खेड़ा, गांधीनगर, जामनगर, देवभूमि द्वारका, नर्मदा, नवसारी, पोरबंदर, मोरबी और वलसाड जिले में कुल 1120 टीमों द्वारा सर्वे का कार्य शुरू किया गया है। इन जिलों में 3 सितंबर तक 1,69,561 व्यक्तियों को केशडोल्स के तहत कुल 8.04 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। इतना ही नहीं, ऐसे परिवार जिनका घरेलू सामान-कपड़ा आदि पानी में बह जाने या नष्ट होने से नुकसान हुआ है, उनका सर्वे का कार्य 1160 टीमों द्वारा किया जा रहा है। अब तक इन जिलों के ऐसे 50,111 परिवारों को कुल 20.07 करोड़ रुपए से अधिक की राशि घरेलू सामान और कपड़ा सहायता के अंतर्गत दी गई है।

राहत आयुक्त ने अधिक जानकारी देते हुए कहा कि इस अवधि के दौरान मानव मृत्यु के मामले में राज्य सरकार की ओर से 22 मृतकों के परिवारों को कुल 88 लाख रुपए की सहायता का भुगतान किया गया है। इसके साथ ही, 2618 मृत पशुओं के मालिकों को कुल 1.78 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, भारी वर्षा से प्रभावित जिलों में कच्चे-पक्के मकानों तथा आंशिक या पूर्ण रूप से ध्वस्त मकान या झोपड़ों का भी सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसके तहत अब तक 4673 मकान-झोपड़ा मालिकों को सहायता के रूप में कुल 3.67 करोड़ रुपए से अधिक की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि दक्षिण और मध्य गुजरात में गत दो दिनों के दौरान हुई बारिश के कारण कुछ जिलों में सर्वे का काम प्रगति पर है। जिला प्रशासन को जैसे-जैसे व्यक्तियों और परिवारों की संख्या उपलब्ध होती जाएगी,

विश्वामित्री के पास ईएमई। तीसरा विशालकाय मगरमच्छ पकड़ा गया

वड़ोदरा,4 सितंबर

वड़ोदरामगरमच्छबचावः वडोदरा में विश्वामित्री के पास ईएमई से तीसरे विशाल मगरमच्छ को बचाया गया है।विश्वामित्री नदी की बाढ़ का पानी भी ईएमई में घुसने के साथ-साथ मगरमच्छभी घुस आए हैं. बाढ़ का पानी कम होने केबादईएमई से दो विशाल मगरमच्छों को बचाया गया।

इसके बावजूदभी मगरमच्छ आने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आज सुबह-सुबह 9 फीट बड़ा मगरमच्छ ईएमई मंदिर के पास आ गया, जिसे वन विभाग की टीम ने बचाया।

रिक्शा चालक के बेटे सुमित ने ज्ञानसाधना योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया

सूरत,4 सितंबर

गुजरात राज्य परीक्षा बोर्ड द्वारा ज्ञान साधना मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें गुजरात राज्य से कई बच्चों ने परीक्षा दी. इस परीक्षा को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाना और उन्हें ऐसी आधुनिक बाहरी परीक्षाओं से परिचित कराना और उनके आत्म-मूल्य का आकलन करना और साथ ही राज्य सरकार से बच्चों के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करना था।

जिसमें श्रीमती एलपीडी पटेल पब्लिक विद्यालय पुनागाम के स्कूल से कई बच्चों ने यह परीक्षा दी। स्कूल के छात्र गारोले सुमित संजयभाई, जिन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा श्रीमती एलसीएन पटेल प्राइमरी स्कूल, पुनागाम से की, को इस परीक्षा की मेरिट सूची में जारी किया गया। जिनकी मां सुनीताबेन जो खुद एक मजदूर के रूप में काम करती हैं और पिता संजय भाई जो रिक्शा चालक के रूप में काम करते हैं और एक किराए के घर से अपना गुजरात चलाते हैं। बिना टयूशन के अपने बेटे सुमित और बड़ी बहन दर्शना की मदद से उन्होंने इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पूरे गुजरात में तीसरी रैंक प्राप्त की और अपने परिवार और स्कूल परिवार का नाम रोशन किया। इस छात्र को 5 सितम्बर को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जायेगा। इतनी शानदार उपलब्धि हासिल करने पर विद्यालय प्रबंधन एवं विद्यालय परिवार सुमित को बधाई देते हुए हर्ष एवं गौरव महसूस कर रहा है।

कच्छ में हुई तबाही के लिए भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और निष्क्रिय प्रशासन जिम्मेदार : शक्तिसिंह गोहिल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने भारी बारिश से कच्छ में हुई तबाही के लिए भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और निष्क्रिय प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह मानव निर्मित तबाही हैं भारी बारिश और कच्छ में उत्पन्न स्थिति के संबंध में आमने-सामने बैठक के दौरान कई प्रभावित परिवारों, विशेषकर किसानों, छोटे व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों की व्यथा सुनने के बाद भुज में पत्रकारों से बात करते हुए शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि कच्छ में जो हुआ, उस तबाही के लिए भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार, सिस्टम की निष्क्रियता जिम्मेदार हैं हर तरफ कूड़ा-कचरा और उसके निस्तारण में लापरवाही के कारण हर तरफ बारिश का पानी भर गया। यह मानव निर्मित हैं आजाद चौक पर 10 फीट तक पानी भर गया, जिससे छोटे व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ हैं लकड़ी बाजार में भारी नुकसान हुआ हैं यदि नगर पालिका समय पर राजाशाही काल की नहर की सफाई करा देती तो नुकसान को रोका जा सकता था। सफाई कर बड़े पैमाने पर वसूला जाता है लेकिन जगह-जगह गंदगी के कारण महामारी फैलने का खतरा है। जल निकासी के लिए झील से ओगन तक नहर को चौड़ा करने की जरूरत है। नलिया से लाला जावो तक सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन जल निकासी नाली का निर्माण नहीं होने के कारण सड़क को तोड़कर पानी निकालना पड़ा नियमों के विरुद्ध पवन चक्कियों के लिए पहुंच पथ बनाने से जलजमाव की स्थिति हो गई इतना ही नहीं कंपनियों ने जहां मनमर्जी से सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी और इस कारण पानी की निकासी न होने से स्थानीय ग्रामीणों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। अबडासा के टीडीओ का कहना है कि जो सीमेंट के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनमें रहने वालों को ही सहायता मिलेगी। तो फिर कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को नुकसान को लेकर सहायता क्यों नहीं? सरकार को बिना भेदभाव के प्रभावितों की मदद करनी चाहिए। किसानों और खेती को तभी बचाया जा सकता है जब सरकार उदार हो और लगातार नुकसान झेलने वालों को सहायता दे। नखत्राणा, अबडासा, लखपत तहसीलों में बड़े पैमाने पर पशुधन की मौत हुई हैं आज तक प्रशासन सर्वे को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा हैं सिस्टम को संवेदनशील होने की जरूरत हैं कच्छ जिले के बंदरगाह क्षेत्र के मांडवी शहर और मुंद्रा के बाबावाड़ी, रामेश्वरनगर, भीड बाजार, आजाद चौक, सलाया और शहरी क्षेत्रों के प्रभावित परिवारों और व्यापारियों ने समस्या प्रस्तुत की इस संदर्भ में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि अत्यधिक भारी बारिश के कारण घरों में पानी, लाइटें, सीवर, सड़कें और कामकाजी परिवारों के आवास सभी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिसका पुनर्निर्माण कार्य सरकार द्वारा कराया जाना चाहिए। बाढ़ के कारण व्यापारियों के घर के कच्चे माल और व्यापारियों की दुकानों को भी काफी नुकसान हुआ है। जिससे छोटे व्यापारी आर्थिक संकट में हैं। राज्य सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई आज तक जगह-जगह जलजमाव से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है, सड़क-पेयजल की समस्या, रोड लाइट की समस्या ने स्थानीय लोगों को काफी परेशानी में डाल दिया हैं नगर पालिका के प्री मानसून प्लान पूरी तरह से निष्फल साबित हुआ है। यदि तुरंत साफ-सफाई और जल निकासी नहीं की गई तो कच्छ मांडवी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर महामारी फैल जाएगी। कच्छ मांडवी क्षेत्र में खड़ी फसलों का जबरदस्त कटाव हुआ है, अनार, केला, कपास, तिल, एरंडी, गेहूं आदि फसलों को नुकसान हुआ है। आज तक सरकार की ओर से किसानों के हित में कोई विशेष राहत पैकेज या कोई घोषणा नहीं की गयी हैं सरकार ने किसी भी सर्वेक्षण या फसल बर्बाद हे का बारे में दरकार नहीं की स्थानीय लोगों और आम व्यवसायी वर्ग तथा किसानों की व्यथा सुनने के बाद कांग्रेस पार्टी उनकी सभी समस्याओं को लेकर न्याय के लिए राज्य सरकार के समक्ष विस्तृत पेशकश करेगी

मुख्यमंत्री के साथ बैठक के बाद राज्य के प्रशिक्षु व कनिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल समाप्त

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ बैठक के बाद राज्य के इंटर्न व जूनियर डॉक्टरों की दो दिनों से चल रही हड़ताल समाप्त हो गई है। इन आंदोलनकारी चिकित्सकों की मंगलवार देर शाम गांधीनगर में मुख्यमंत्री के साथ बैठक आयोजित हुई थी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सकारात्मक दृष्टिकोण तथा राज्य के जरूरतमंद नागरिकों के उपचार-सुश्रुषा के व्यापक स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए आंदोलनकारी चिकित्सकों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया और मुख्यमंत्री को अपनी सेवाएं पूर्ववत करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि स्टाइपेंड में 40 फीसदी की मांग के साथ इंटर्न और जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए थे सोमवार को राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए हड़ताली डॉक्टरों को मंगलवार सुबह काम पर लौटने का अल्टीमेटम दिया था साथ ही काम पर नहीं लौटने पर नियमानुसार कार्यवाही की चेतावनी भी दी थी मंगलवार को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ बैठक के बाद हड़ताली डॉक्टरों के आज से काम पर लौटने से मरीजों को बड़ी राहत मिली हैं

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए 45 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों

के लगभग 4266 फेरे चलाए जा रहे हैं मुंबई से देश के विभिन्न भागों के लिए 13 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं

सूरत/उधना से 7 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि 18 जोड़ी ट्रेनें सूरत/उधना या भेस्तान होकर गुजर रही हैं पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा आगामी त्योहारों के लिए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराए पर कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आगामी त्योहारों के लिए यात्रियों की यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए 45 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के 4266 फेरों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें से 28 जोड़ी ट्रेनें उत्तर भारत के राज्यों तथा 1 जोड़ी ट्रेन देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र को सेवाएं प्रदान कर रही हैं। सूरत/उधना से यात्रियों की सुविधा के लिए 7 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि 18 जोड़ी ट्रेनें सूरत/उधना या भेस्तान से होकर गुजर रही हैं। इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे अहमदाबाद, गांधीनगर केपिटल, वडोदरा, साबरमती, वापी, वलसाड, हापा, ओखा और राजकोट स्टेशनों से 23 जोड़ी ओरिजिनेटिंग ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

श्री विनीत ने बताया कि मुंबई से देश के विभिन्न भागों के लिए 13 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की प्रतिदिन रियल टाइम बेसिस पर निगरानी की जा रही है।

ठासरा में अगले महीने तक गधों, खच्चरों या घोड़ों के आयात या निर्यात पर प्रतिबंध

वड़ोदरा,4 सितंबर

ग्लैंड का रोग अश्व पशुओं (गधे, घोड़े, खच्चर) आदि में देखा जाता है, जिसमें जीवाणु संक्रमण के कारण सांस लेने में तकलीफ, तेज बुखार और त्वचा पर घाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। चूंकि यह बीमारी ठज़ूनोटिकठ प्रकार (वह प्रकार जो जानवरों से मनुष्यों में और मनुष्यों से जानवरों में फैलती है) है, इसलिए एक अधिसूचना प्रकाशित की गई है और अगले एक महीने के लिए गधों को लाने या बाहर ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। थसरा तालुक में खच्चर या घोड़े।

ठासरा तालुका डाकोर से वेटरनरी कॉलेज आनंद में इलाज के लिए लाए गए एक घोड़े में ग्लैंडर रोग के संदिग्ध लक्षण दिखाई दिए, इस ऑपरेशन के लिए भारत सरकार की आधिकारिक प्रयोगशाला में इस घोड़े के रक्त के नमूने का विश्लेषण किया गया और इसे अश्व ग्लैंडर के लिए सकारात्मक पाया गया। अतः पशुओं में संक्रामक एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण अधिनियम-2009 के अनुसार, उक्त घोड़े को दिनांक 03/09/2024 को दोपहर 14:00 बजे पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु अस्पताल, डाकोर द्वारा वैज्ञानिक विधि से इच्छामृत्यु दे दी गई। पशुपालन विभाग द्वारा शव पर आवश्यक दवा का छिड़काव कर दफ़न कर दिया गया है तथा संक्रमित घोड़ों के आवास को भी विसंक्रमित कर दिया गया है।

इस बीमारी के खिलाफ एहतियात के तौर पर, ठासरा तालुक के डाकोर, जो इस बीमारी से प्रभावित क्षेत्र है, को तालुक पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा ग्लैंडर रोग और इस गांव के पूरे पांच किमी क्षेत्र को प्रभावित घोषित किया गया है। पशुपालन जिला पंचायत नडियाद के उपनिदेशक की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गांव के दायरे में सभी गधों, घोड़ों और खच्चरों के रक्त के नमूने लेने का काम भी पशुपालन विभाग द्वारा किया जाएगा।

5 सितंबर : राष्ट्रीय शिक्षक दिवस

आणंद के शिक्षक विनयभाई पटेल का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन

गांधीनगर 04 सितंबर, 2024 : ''मैंने ग्रामीण क्षेत्र का स्कूल इसलिए चुना, ताकि मुझे यहाँ सुदूरवर्ती-दूरदराजी बच्चों की सेवा करने का अवसर मिले। मुझे आचार्य के रूप में कार्य करने की स्वतंत्रता मिलेगी। इस कारण मैंने यह जॉब स्वीकार की। आज यहाँ हाईस्कूल में आयुर्वेदिक औषधीय बाग है, डिजिटल लाइब्रेरी तथा स्मार्ट क्लासरूम है और हाईस्कूल में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाता है।''

ये शब्द हैं आणंद के वडदला गाँव के हाईस्कूल में 16 वर्षों से आचार्य के रूप में सेवा दे रहे शिक्षक विनय शशिकांत पटेल के, जिनका राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 के लिए चयन हुआ है।

विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी में सप्ताह में एक बार जाना अनिवार्य, गाँव के लोगों को भी छूट :हाईस्कूल में पढ़ाई करने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर विनयभाई ने विद्यालय की ढाँचागत सुविधाओं को विकसित करने के लिए काफी प्रयास किए हैं। उनके स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विनयभाई ने कहा, ''हमारे हाईस्कूल में हाल में बहुत ही सुंदर लाइब्रेरी है, जो अच्छी सेअच्छी पुस्तकों व डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से सज्ज है। इसमें इंटरनेट कनेक्शन भी है, जिससे बच्चे पर्याप्त पढ़ाई कर सकें। यहाँ बच्चों के साथ गाँव के पठन प्रेमी लोग भी पुस्तकें पढ़ने आते हैं। हमने ऐसी व्यवस्था की है कि बच्चों को सप्ताह में कम से कम एक बार तो लाइब्रेरी में आना ही होता है।''

स्कूल में औषधीय बाग, करुणा अभियान में करते हैं सेवा कार्य :बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति समन्वय एवं सेवा भावना जगाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ की जाती हैं। स्कूल में आयुर्वेद की औषधियों में उपयोगी पेड़-पौधे लगाए गए हैं। इस कार्य में बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। साथ ही, विनयभाई करुणा अभियान अंतर्गत उत्तरायण के दौरान गाँव की गलियों में बच्चों को साथ ले जाकर पतंग की उलझी डोर इकट्ठा करवाते हैं, जिससे पक्षियों को हानि न हो। पर्यावरण संरक्षण कार्य के साथ 1996 से जुड़े हुए विनयभाई कहते हैं, ''जो पेड़ लगाए गए हैं, वहाँ उससे जुड़ी जानकारी के चार्ट भी रखे गए हैं, ताकि बच्चों को उसके बारे में जानकारी मिले। मेरा जन्म होता है, तब मैं सभी बच्चों को औषधीय गुणों वाले अलग-अलग पेड़-पौधे भेंट में देता हूँ। इस तरह बच्चों का प्रकृति के साथ संवाद गहन बनता है। पर्यावरण का जतन बहुत जरूरी है और इसलिए हमारे स्कूल में किसी भी कार्यक्रम में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं होता है।''

स्मार्ट क्लासरूम गाँवों के विद्यार्थियों के लिए वरदान स्वरूप :गुजरात सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास तथा विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये बच्चों को स्कूल तक लाने के प्रयास किए हैं। सरकार के इस कार्य के बारे में विनयभाई कहते हैं, ''सरकार ने स्मार्ट क्लासरूम की जो भेंट दी है, वह गाँव के विद्यार्थियों के लिए वरदान स्वरूप है। इससे बच्चों को बहुत ही अच्छे ढंग से शिक्षा दी जा सकती है। लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ हमारे बच्चे पढ़ें; यह बहुत ही आवश्यक है। सरकार द्वारा शुरू किया गया शाला प्रवेशोत्सव भी बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत सफल सिद्ध हुआ है।''

गाँव की बेटियाँ अब कॉलेज तक पहुँचीं, दिव्यांग बेटी जिला खेल महाकुंभ में अव्वल :वडदला गाँव की स्थिति के बारे में विनयभाई ने कहा, ''यहाँ आने वाले अधिकांश बच्चे गरीब परिवार से आते हैं। शुरुआत में यहाँ कक्षा 8 से 10 तक शिक्षा की सुविधा थी। दसवीं कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए बेटियों को दूर भेजने में परिजनों को अनुकूलता नहीं रहती थी। इस स्थिति को देखते हुए हमने सरकार के समक्ष मांग रखी और यहाँ विशेष मंजूरी मिलने के बाद वर्ष 2013 से कक्षा 11 व 12 शुरू हुई। अब गाँव की बेटियाँ हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी कर कॉलेज तक पहुँच गई हैं। एक दिव्यांग बालिका ने यहाँ खेल-कूद में पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त करके खेल महाकुंभ में आणंद जिले में पहला स्थान पाया है। मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में राज्य स्तर पर भी शीर्ष पर रहेगी।''

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और पालीताना के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

बांद्रा टर्मिनस-भावनगर स्पेशल के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और पालीताना के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। साथ ही, बांद्रा टर्मिनस-भावनगर के फेरों को मौजूदा दिवस, समय, ठहराव, संरचना आदि के साथ विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः 1. ट्रेन संख्या 09121/09122 बांद्रा छ्रुलच्द्धङ्म–पालीताना स्पेशल ड02 फेरे. ट्रेन संख्या 09121 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना स्पेशल शुक्रवार, 06 सितंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.00 बजे पालीताना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09122 पालीताना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 8 सितंबर, 2024 को पालीताना से 21.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर जी, बोटाद, ढोला, सोनगढ़ और सिहोर स्टेशन पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच हैं।

2. ट्रेन संख्या 09207/09208बांद्रा–भावनगर (साप्ताहिक) स्पेशल के फेरों का विस्तार ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर स्पेशल के फेरे 27 दिसंबर, 2024 तक विस्तारित किये गये हैं। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09208 भावनगर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के फेरे26दिसंबर,2024 तक विस्तारित किये गये हैं। ट्रेन संख्या 09121 एवं 09122 की बुकिंग शुरू है, जबकि ट्रेन संख्या 09207 एवं 09208 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 06 सितबंर, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरोंऔर आईआरसी टीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपयाौ .द्गठ्ठह्नह्वद्बह्म्4.द्बठ्ठस्रद्बड्डठ्ठह्म्ड्डद्बद्य.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के पलवल में पलवल-न्यू पृथला (डीएफसीसी) यार्ड के बीच रेल कनेक्टिविटी के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 17 सितंबर, 2024 तक ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त और डायवर्ट की जायेंगी।

इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः निरस्त होने वाली ट्रेनेंः 1.06,11 और 13 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20945 एकता नगर -

हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट

2.10,12 और 17 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20946 हजरत निजामुद्दीन -एकता नगर सुपरफास्ट 3.06 और 13 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12247 बांद्रा टर्मिनस - हजरत निजामुद्दीन युवा एक्सप्रेस 4.07 और 14 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12248 हजरत निजामुद्दीन - बांद्रा टर्मिनस युवा एक्सप्रेस 5. 09 और 16 सितंबर, 2024को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12917 अहमदाबाद –हजरत निजामुद्दीन गुजरात संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 6.07 और 14 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12918 हजरत निजामुद्दीन- अहमदाबाद गुजरात संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 7.08, 11 और 15 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12907 बांद्रा टर्मिनस -हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ,8.09 और 12 और 16 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12908 हजरत निजामुद्दीन - बांद्रा टर्मिनस संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 9. 05, 07, 10, 12 और 14 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12909बांद्रा टर्मिनस - हजरत निजामुद्दीन गरीब रथ एक्सप्रेस 10. 06, 08, 11, 13 और 15 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12910हजरत निजामुद्दीन - बांद्रा टर्मिनस गरीब रथ एक्सप्रेस 11. 10, 11, 17 और 18 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12449 मडगांव - चंडीगढ़ गोवा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (वाया वसई रोड)12. 07, 09, 14 और 16 सितंबर, 2024 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12450 चंडीगढ़-मडगांव गोवा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (वाया वसई रोड)

डायवर्ट की जाने वाली ट्रेनेंः

1.05 से 16 सितंबर, 2024 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12903 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर गोल्डन टेंपल मेल डायवर्टेड रूट वाया सवाई माधोपुर-जयपुर-रेवाड़ी-नई दिल्ली-गाजियाबाद होकर चलेगी। 2.05 से 16 सितंबर, 2024 तक यात्रा प्रारंभ करने ट्रेन संख्या 12904 अमृतसर-मुंबई सेंट्रल गोल्डन टेंपल मेल डायवर्टेड रूट वाया गाजियाबाद-नई दिल्ली-रेवाड़ी-जयपुर-सवाई माधोपुर होकर चलेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बांधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.iåianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
सहायक ट्रांसफार्मर और केबलिंग गतिविधि का प्रावधान
निविदा सूचना सं : EL/TRD/Tender/24-25/10 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) वडोदरा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम : वडोदरा डिवीजन के भरूच-दहेज खंड में भरूच से किलोमीटर 15 के पास 10 केवीए सहायक ट्रांसफार्मर और केबलिंग गतिविधि का प्रावधान। कार्य की अनुमानित लागत (रु) : ₹6,12,806/- बोली प्रतिभूति (रु) : ₹12,300/- निविदा की राशि एवं कार्य समापन की अवधि : कार्य समापन की अवधि 12 माह निविदा की समय सारणी : निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय 30/09/2024 को 15-00 बजे वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिये : वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वड़ोदरा - 390 004 165
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बांद्रा टर्मिनस ⇄ भावनगर स्पेशल ट्रेन फेरों का विस्तार

ट्रेन संख्या	कहाँ से	कहाँ तक	सर्विस के दिन	विस्तारित किया
09207	बांद्रा टर्मिनस	भावनगर	शुक्रवार (साप्ताहिक)	27.12.2024
09208	भावनगर	बांद्रा टर्मिनस	गुरुवार (साप्ताहिक)	26.12.2024

ट्रेन संख्या 09207/09208 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 06.09.2024 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

उक्त ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly • हमें फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96